Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 215 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, शुक्रवार 21 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

अवैध खाद भंडारण और जैव उत्प्रेरक के खिलाफ कृषि विभाग की कार्रवाई, गोदाम सील

रायपुर। खरीफ मौसम वर्ष 2026 में किसानों को गुणवत्ता युक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने और उर्वरकों तथा कीटनाशकों के नियम विरुद्ध बिक्री पर रोक लगाने के लिये कृषि विभाग ने कार्यवाही तेज कर दी है। जिला प्रशासन के निर्देश पर औचक निरीक्षण के दौरान विभाग ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के गंडई स्थित दो कृषि केन्द्रों पर कार्यवाही की गई है। बाजार चौक स्थित हरिओम कृषि केन्द्र, गंडई के द्वारा विभाग को गुमराह कर अवैध रूप से गोदाम का संचालन किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच के दौरान विभाग ने तत्काल कार्यवाही करते हुए धमधा रोड़ स्थित अवैध गोदाम को सील कर गोदाम में मौजूद समस्त संदेहास्पद कीटनाशकों एवं उर्वरकों को जप्त कर संबंधित कृषि केन्द्र के संचालक नीरज अग्रवाल को सुपुर्द की गई एवं विभाग ने आगे की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

एआई मिशन के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान, विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीक के लिए किया जाएगा तैयार

उत्कृष्ट शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों से संवर रहा छत्तीसगढ़ के बच्चों का भविष्य: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। शिक्षा किसी भी समाज और राज्य के विकास का मूल आधार है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर देती है और रोजगार उनके सपनों को साकार करने का मजबूत आधार बनता है। छत्तीसगढ़ सरकार उत्कृष्ट शिक्षा, आधुनिक तकनीक और रोजगार के नए अवसरों के माध्यम से प्रदेश के बच्चों और युवाओं का भविष्य संवारने के लिए प्रतिबद्ध है। गांवों से लेकर सुदूर वनांचलों तक बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की तकनीक के लिए तैयार किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के जोरा स्थित एक निजी होटल में आयोजित आईबीसी24 'स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप 2026' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने टॉपर बेटियों को सम्मानित कर उन्हें स्कॉलरशिप प्रदान की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इन बेटियों की उपलब्धि उनके परिवार और विद्यालय के साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर हमारी बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं।

कार्यक्रम में कक्षा बारहवीं की परीक्षा में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बेमेतरा की ओमनी वर्मा को मुख्यमंत्री श्री साय ने एक लाख रुपए का चेक और सम्मान पत्र प्रदान किया। उनके विद्यालय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम कन्या विद्यालय, बेमेतरा को भी एक लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्टजनों का सम्मान किया तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित पुस्तक 'मेधा' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने प्रतिभावान विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि होनहार बेटियों के बीच आकर उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ रहे हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गृहग्राम बगिया की प्राथमिक शाला में हुई। पांचवीं बोर्ड की परीक्षा देने के लिए उन्हें अपने गांव से कुछ दूर दूसरे गांव जाना पड़ा था। उस समय गांव के स्कूल का भवन मिट्टी का था और उसकी मरम्मत में गांव के लोग मिलकर सहयोग करते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने राज्य निर्माण के 25 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज प्रदेश में स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक संस्थानों का व्यापक नेटवर्क विकसित हुआ है। प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय उपलब्ध हैं। आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थान आज छत्तीसगढ़ में संचालित हैं। इससे प्रदेश के बच्चों को अपने राज्य में ही उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के बेहतर अवसर मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति की स्थापना के साथ शिक्षा का नया अध्याय भी शुरू हो रहा है। जगरगुंडा और ओरछा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी की शुरुआत की जा रही है। जिन इलाकों में कभी परिस्थितियों के कारण शिक्षा तक पहुंच चुनौतीपूर्ण थी, वहां अब बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक अधोसंरचना और अवसर विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास केवल शैक्षणिक संस्थान स्थापित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सुविधाएं और वातावरण उपलब्ध कराना भी है। प्रदेश में 34 स्थानों पर नालंदा परिसर विकसित किए जा रहे हैं, जहां युवाओं को शांत और सुविधायुक्त वातावरण में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि देश की राजधानी नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के जनजातीय युवाओं के लिए 200 बिस्तरों वाला ट्राइबल यूथ हॉस्टल संचालित किया जा रहा है। यहां विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस वर्ष यहां रहकर तैयारी करने वाले 13 विद्यार्थियों ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। यह उपलब्धि बताती है कि सही अवसर और सुविधाएं मिलने पर छत्तीसगढ़ के युवा देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी प्रतिभा सिद्ध कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता है। राज्य के विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नई तकनीकों से परिचित हों और भविष्य की संभावनाओं का लाभ उठा सकें, इसके लिए छत्तीसगढ़ एआई मिशन शुरू किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इसके लिए 500 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर उन्हें भविष्य के रोजगार और नवाचार के अवसरों के लिए तैयार करना है।

मोदी सरकार ने विकसित भारत की दिशा में लिए कई महत्वपूर्ण फैसले

नई दिल्ली। मोदी मंत्रिमंडल के आज लिए गए फैसले सिर्फ पटरियां और सड़कें बढ़ाने की कवायद नहीं हैं; इनका सीधा निशाना माल ढुलाई की क्षमता, लॉजिस्टिक लागत, बंदरगाहों की पहुंच, रोजगार, पर्यावरणीय बचत और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को गति देना है।

इधर विपक्ष हंगामे और बेवजह के मुद्दों को उठाने में मशगूल रहा उधर मोदी सरकार ने विकसित भारत की दिशा में कई महत्वपूर्ण फैसले कर सबको चौंका दिया। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम निर्णय लिये गए। बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने रेल और सड़क कनेक्टिविटी से जुड़ी पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन पर कुल 13,041 करोड़ खर्च होंगे। इनमें चार रेल मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं **Howrah-Chennai High Density Network** को मजबूत करेंगी, जबकि बिहार में 83 किलोमीटर का चार लेन हाईवे बनाया जाएगा। बसे बड़ा रेल फैसला 173 किलोमीटर लंबे खड़गपुर-भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन का है। 3,352 करोड़ की यह परियोजना चार साल में पूरी होगी। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर तथा ओडिशा के बालेश्वर और भद्रक से गुजरने वाली इस लाइन में सुबर्णरिखा पर 564 मीटर का मेगा ब्रिज समेत 41 बड़े और 169 छोटे पुल होंगे। इससे जाखापुरा, टाटानगर और दुर्गापुर के स्टील हब को पारादीप और धामरा बंदरगाहों से जोड़कर कच्चे माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही तेज होगी। सालाना 13 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई, 466 करोड़ की लॉजिस्टिक बचत और 59 लाख मानव-दिवस रोजगार का अनुमान है। साथ ही हर साल 20.86 करोड़ किलोग्राम कार्बन डॉइक्साइड उत्सर्जन घटेगा।

बलौदाबाजार को बड़ी सौगात दिलाने राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा की पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक क्रांति के साथ-साथ श्रमिकों की सामाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के प्रयास लगातार रंग ला रहे हैं। इसी कड़ी में बलौदाबाजार के विशाल सीमेंट, पावर एंड स्टील प्लांटस, सहित अनेक लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र तथा अन्य संस्थानों में दिन-रात पसीना बहाने वाले हजारों मजदूरों की वर्षों पुरानी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा

करने की दिशा में राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा द्वारा एक बड़ी पहल हुई है। सीमेंट, पावर एवं स्टील फैक्ट्रियों की बहुलता वाले बलौदाबाजार जिले में अब तक गंभीर बीमारियों और हादसों के वक्त श्रमिकों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे बड़े जिलों की ओर रुख करना पड़ता था और आपातकालीन स्थितियों में यह दूरी जानलेवा साबित होती थी। इस बड़ी व्यावहारिक समस्या को दूर करने के लिए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा की पहल पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से नई दिल्ली में आज चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान बलौदाबाजार में 200 बिस्तर वाले सर्व सुविधायुक्त ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना का प्रस्ताव प्रमुखता से रखा गया। केंद्रीय मंत्री ने इस संवेदनशील जनहित मुद्दे पर बेहद गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है, जिससे जल्द ही क्षेत्र की जनता को एक आधुनिक अस्पताल की सौगात मिलने का रास्ता साफ होता दिख रहा है।

'लोक निर्माण से छत्तीसगढ़ निर्माण' के मूलमंत्र के साथ अधोसंरचना विकास को दे रहे नई गति : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज प्रेस-कॉन्फ्रेंस में लोक निर्माण विभाग के कार्यों, उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में कहा कि राज्य का सबसे बड़ा निर्माण विभाग लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ के विकास का आधार है। सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण के साथ विभागीय कार्यों में तेजी और प्रशासनिक कसावट लाने के लिए विभाग लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दिसम्बर-2023 में सरकार बनने के बाद से अब तक लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्यों के लिए बड़े पैमाने पर प्रशासकीय स्वीकृतियां मिली हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल, प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी और अपर सचिव श्री एस.एन. श्रीवास्तव भी प्रेस-कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने प्रेस-कान्फ्रेंस में बताया कि पिछले ढाई वर्षों में विभाग को 12 हजार 666 करोड़ रुपए से अधिक के लागत के कुल 1572 कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृतियां मिली हैं। इसमें सड़क निर्माण के 1285, पुलों के 247 और भवन निर्माण के 42 कार्य शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में दिसम्बर-2023 से मार्च-2024 तक 80 कार्यों के लिए 551 करोड़ 42 लाख रुपए

की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इनमें 374 किमी लंबाई की 72 सड़कें, 6 पुल और दो भवन शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2590 करोड़ 70 लाख रुपए लागत के कुल 438 कार्यों के लिए की स्वीकृति दी गई। इनमें 1465 किमी लंबाई की 400 सड़कें, 37 पुल और एक भवन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 लोक निर्माण विभाग के लिए ऐतिहासिक रहा। विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए इस वर्ष 9129 करोड़ 18 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली, जो राज्य निर्माण के बाद पिछले 25 वर्षों के इतिहास में विभाग को मिली सर्वाधिक स्वीकृति है। इस वित्तीय वर्ष में 5129.60 किमी लंबाई की 754 सड़कों, 200 पुलों और 39 भवनों सहित कुल 993 कार्यों को मंजूरी दी गई। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 10 अगस्त तक विभाग को 608 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है। इसमें 608.20 किमी लंबाई की 59 सड़कें और दो पुलों के निर्माण शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में विभाग में कार्यों की गति बढ़ाने के साथ-साथ प्रशासनिक ढांचे को भी मजबूत किया गया है।

बेहतर संचालन और प्रशासनिक कसावट के लिए सात नए संभागीय कार्यालय और 12 नए उप संभागीय कार्यालय शुरू किए गए हैं। इससे निर्माण कार्यों की निगरानी और स्वीकृत कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकताओं में लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण भी शामिल है। साव ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए जल्द ही 'वमिस' लागू किया जाएगा। इस प्रणाली से डीपीआर तैयार करने से लेकर कार्य की स्वीकृति और अन्य प्रक्रियाएं ऑनलाइन और एकीकृत प्रणाली से संचालित होंगी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ली समाज कल्याण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज मंत्रालय में समाज कल्याण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें।

बैठक में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों के वितरण, सियान गुड़ी एवं वृद्धाश्रमों में उपलब्ध सुविधाओं तथा हितग्राहीमूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री ने सहायक उपकरणों के वितरण में तेजी लाने तथा सियान गुड़ी एवं वृद्धाश्रमों में भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। राजवाड़े ने कहा कि सुशासन सरकार समाज के प्रत्येक जरूरतमंद, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक को सम्मानपूर्ण जीवन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नियमित निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में समाज कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, संचालक श्री रणवीर शर्मा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा मैया मंदिर झलमला से भगवा एवं पीतांबरी ध्वज दिखाकर यात्रा को किया गया रवाना

36वीं वर्ष कांवड़ यात्रा में गंगा जल लेकर शिवधाम चौरेल के लिए रवाना हुए शिवभक्त

बालोद । नम: शिवाय, हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से सोमवार को गंगा मैया मंदिर झलमला परिसर भक्तिमय हो उठा। लाटाबोड़ के शिवभक्त कांवड़ियों द्वारा सावन के तीसरे सोमवार के पावन अवसर पर अपनी 36 वाँ वर्ष कांवड़ यात्रा का शुभारंभ किया गया। कांवड़ यात्री गंगा मैया मंदिर झलमला से पवित्र गंगाजल लेकर शिवधाम चौरेल के लिए रवाना हुए।

कांवड़ यात्री प्रात: 6 बजे गंगा मैया मंदिर पहुंचे, जहां विधिवत गंगा मैया की आरती एवं भगवान शिव की आरती कर पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात गाजे-बाजे और बोल बम-बोल बम, हर-हर महादेव के जयघोष के साथ शिवजी का रथ लेकर कांवड़ यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में युवा, महिलाएं, बुजुर्ग तथा नन्हे-मुन्ने बच्चे भी श्रद्धापूर्वक शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री राकेश छोटू यादव एवं बालोद तहसील साहू समाज के सचिव जयंत साहू ने कांवड़ यात्रियों को भगवा ध्वज एवं पीतांबरी ध्वज दिखाकर यात्रा को रवाना किया और सभी शिवभक्तों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राकेश यादव ने कहा कि बोल बम यात्रियों को विदा करना हम सभी के लिए अत्यंत सौभाग्य और पुण्य का अवसर है। यह कोई साधारण यात्रा नहीं, बल्कि आत्मा से परमात्मा तक और भक्त से भगवान तक पहुंचने की

आध्यात्मिक यात्रा है। कांवड़ में केवल गंगाजल नहीं, बल्कि शिवभक्तों की श्रद्धा, आस्था और बाबा भोलेनाथ के प्रति अटूट विश्वास समाहित है। उन्होंने कहा कि पवित्र गंगाजल लेकर शिवधाम की ओर बढ़ते प्रत्येक कांवड़िये के साथ भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहे। मां गंगा की निर्मलता उनके जीवन में पवित्रता लाए और महादेव की भक्ति उनके हृदय में सदैव बनी रहे। उन्होंने भगवान शिव से सभी कांवड़ यात्रियों की यात्रा निर्विघ्न एवं मंगलमय होने तथा उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना की। राकेश यादव ने कहा कि शिव ही सत्य हैं, शिव ही सुंदर हैं, शिव ही शक्ति हैं और शिव ही कल्याण हैं। जिस प्रकार भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए विष को अपने कंठ में धारण किया, उसी प्रकार महादेव समाज से द्वेष, अहंकार और नकारात्मकता का विष दूर करें। हर घर में सुख-शांति, हर परिवार में प्रेम और हर हृदय में शिवभक्ति का दीप प्रज्वलित हो। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से आग्रह किया कि यात्रा के दौरान भक्ति के साथ अनुशासन, श्रद्धा के साथ सेवा और उत्साह के साथ सावधानी को भी अपना साथी बनाएं। एक-दूसरे की सहायता करते हुए अनुशासित ढंग से यात्रा करें तथा अपने आचरण से भगवान शिव की भक्ति और सनातन संस्कृति का सुंदर संदेश समाज तक पहुंचाएं। कांवड़ यात्रा के दौरान जिले में ग्रीन कमांडो के नाम से प्रसिद्ध वीरेंद्र साहू भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नजर आए।

नशा मुक्ति और फिटनेस का संदेश लेकर 30 किमी दौड़े डाक बम, ग्राम छिपा लोधेश्वर महादेव में हुआ भव्य स्वागत

राजनांदगांव । पवित्र सावन मास के तीसरे सोमवार को जीवनदान सेवा संस्था द्वारा डाक कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्यों (डाक बम) ने मोहरा स्थित शिवनाथ नदी से पवित्र जल लेकर लगभग 30 किलोमीटर की पैदल दौड़ पूरी की और ग्राम छिपा स्थित प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। वहां महादेव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई।

यात्रा के ग्राम छिपा पहुंचने पर लोधी समाज के ओंकार भैया एवं ग्रामीणों की टीम ने डाक कांवड़ यात्रा का आत्मीय और भव्य स्वागत किया। इस दौरान कांवड़ियों के लिए फलाहार एवं विश्राम की विशेष व्यवस्था की गई थी।

जीवनदान सेवा संस्था इस डाक कांवड़ यात्रा के जरिए केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दे रही है। यात्रा के दौरान सदस्यों ने ग्रामीणों और युवाओं से नशापान से दूर रहने तथा शारीरिक फिटनेस पर ध्यान देने का आग्रह किया। संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि युवा नशे से दूर रहकर स्वास्थ्य पर ध्यान देंगे तो आपराधिक घटनाओं में कमी आएगी और परिवार खुशहाल बनेगा। अभियान से लगातार युवा जुड़ रहे हैं, जिससे संस्था का उद्देश्य सफल होता नजर आ रहा है। डाक कांवड़ यात्रा का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद के जिला प्रमुख ओमप्रकाश अग्निहोत्री, हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुशील लड्ढा, राजबहादुर सिंह तथा ह्यूमन ग्रुप के सीईओ अमर सिंह राजपूत ने सीटी बजाकर किया। संस्था द्वारा आगामी सावन के चौथे सोमवार को 45 किलोमीटर लंबी डाक कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। कांवड़िया मोहरा शिवनाथ नदी से जल लेकर प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी की पावन धरा डोंगरगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे। संस्था ने आमजनों से इस नशा मुक्ति अभियान और कांवड़ यात्रा में सहयोग करने की अपील की है।

प्रेस क्लब भवन पत्थल गांव का भव्य उद्घाटन

पत्थलगांव। पत्थलगांव प्रेस क्लब के नवनिर्मित भवन में आज शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से पूजा-पाठ के साथ गृह प्रवेश कार्यक्रम संपन्न हुआ। पंडित भवानी शंकर शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कराते हुए प्रेस क्लब के नवीन भवन में गृह प्रवेश कराया।

पूजा-अर्चना के दौरान पूरा प्रेस क्लब परिसर वैदिक मंत्रों और धार्मिक वातावरण से गूंज उठा। इस अवसर पर पत्थलगांव क्षेत्र के बड़ी संख्या में पत्रकार एवं प्रेस क्लब से जुड़े सदस्य मौजूद रहे और नए भवन के शुभारंभ पर हर्ष व्यक्त किया।गौरतलब है कि पत्थलगांव प्रेस क्लब के इस नवीन भवन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों किया गया था। उद्घाटन के बाद आज शुभ मुहूर्त में विधिवत गृह प्रवेश होने के साथ ही पत्रकारों के लिए नए भवन का औपचारिक रूप से उपयोग शुरू होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है।

प्रेस क्लब के नए भवन को पत्रकारों के लिए संवाद, बैठक और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर चर्चा का महत्वपूर्ण केंद्र माना जा रहा है।

जिओ की सीम नेटवर्क की समस्या से मोबाइल धारक हो रहे परेशान

जांजगीर-चांपा । क्षेत्र में जिओ की सीम नेटवर्क की समस्या से मोबाइल उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले महीना से जिओ का नेटवर्क बिर्रा अंचल के कटही गांव में जिओ सीम नेटवर्क का कवरेज बहुत ज्यादा खराब हो जाने के कारण नेटवर्क का रेंज बहुत कम हो गया है।

जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत किकिरदा के आश्रित कटही में जिओ सीम नेटवर्क का टॉवर कुछ साल पहले लगाया गया है। ताकि जिओ सिम चलाने वाले मोबाइल उपभोक्ताओं को नेटवर्क से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं से परेशानियों का सामना करना न पड़े लेकिन कवरेज बहुत ज्यादा खराब हो जाने के कारण नेटवर्क का रेंज कम हो गया है। जिसके कारण जिओ का सिम चलाने वाले मोबाइल उपभोक्ताओं को

खराब नेटवर्क के चलते भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आजकल 5 जी का जमाना है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई महीनों से जिओ का नेटवर्क इतना खराब हो गया है कि न तो ठीक से कॉल लगती है और न ही इंटरनेट चलता है। यही हाल बिर्रा अंचल के तीन दर्जन गांवों में पिछले लगभग कई महीना से जिओ का नेटवर्क में खराबी आ जाने के कारण जिओ के मोबाइल उपभोक्ताओं को मोबाइल चलाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई महीना से जिओ का नेटवर्क क्षेत्र के कई गांवों में जिओ सीम नेटवर्क का कवरेज को जिओ नेटवर्क के अधिकारी कर्मचारी रेंज को कम कर दिए हैं। जिसके कारण जिओ का सिम चलाने वाले मोबाइल उपभोक्ताओं को खराब नेटवर्क के चलते भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आजकल 5त के जमाना है। जिओ सिम चलाने वाले मोबाइल उपभोक्ताओ के द्वारा बहुत कीमती मोबाइल खरीदा गया हैं ताकि उनको नेटवर्क से संबंधित कोई भी प्रकार से समस्या न हो और आसानी से उनका इंटरनेट से संबंधित सभी कार्य आसानी से हो जाए। लेकिन जिओ सिम के उपभोक्ताओं को आजकल नेटवर्क की समस्या से जूझना पड़ रहा हैं।

350 महिलाओं ने लिया भाग, तीज क्वीन का ताज उमा छपारिया ने पहनाया

खरसिया। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति, खरसिया द्वारा 15 अगस्त को गायत्री मंदिर परिसर में सावन उत्सव एवं तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। सावन की हरियाली और तीज की उमंग से सराबोर इस कार्यक्रम में लगभग 350 माताओं, बहनों, सखियों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की गरिमा प्रांतीय अध्यक्ष उमा छपारिया जी की उपस्थिति से और बढ़ गई। खरसिया शाखा एवं खरसिया सृजन शाखा की पदाधिकारियों ने उनका तिलक, पुष्पगुच्छ, पौधा एवं दुपट्टा भेंट कर स्वागत किया। माता गायत्री के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। बाल विकास प्रमुख पूनम गर्ग ने प्रांतीय अध्यक्ष को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम महोत्सव में

तीज क्वीन प्रतियोगिता और भजनों पर आधारित नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन 4 वर्गों में किया गया। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। तीज क्वीन का ताज उमा छपारिया जी के कर-कमलों से पहनाया गया। इसी अवसर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। महिलाओं के मनोरंजन के लिए हाउजी का आयोजन हुआ। सभी के लिए कूपन सिस्टम के माध्यम से नाश्ते की व्यवस्था की गई। पदाधिकारियों का रहा सहयोग कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष रीना गर्ग, सचिव अनामिका संजय अग्रवाल, प्रांतीय महिला सशक्तिकरण प्रमुख राखी अग्रवाल, संस्कार संस्कृति प्रमुख रिंकी अग्रवाल, अनु गर्ग, शारदा अग्रवाल एवं तकनीकी प्रमुख पूजा कबूलपुरिया सहित सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

वार्ड क्रमांक 5 पांडेपारा में विकास कार्यों को मिली नई गति, नपाध्यक्ष प्रतिभा चौधरी ने किया भूमि पूजन

बालोद । 19 अगस्त 2026नगर पालिका परिषद बालोद के वार्ड क्रमांक 5 पांडेपारा में लंबे समय से अपेक्षित विभिन्न विकास कार्यों को अब गति मिलने जा रही है। बुधवार को वार्ड में प्रस्तावित विकास कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया गया। नगर पालिका परिषद बालोद की अध्यक्ष प्रतिभा संतोष चौधरी, उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, वार्ड पार्षद कांति तरुण साहू एवं नगर पालिका के पार्षदगणों की उपस्थिति में धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

भूमि पूजन कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड स्थित शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात धरती माता की धूप-दीप एवं गुलाब अर्पित कर पूजा की गई और प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिए भूमि पूजन

संपन्न हुआ। इस दौरान वार्डवासियों एवं उपस्थित नागरिकों ने क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों को लेकर खुशी जताई।

पार्षद के प्रयासों से स्वीकृत हुए विकास कार्य

भूमि पूजन के पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा संतोष चौधरी ने वार्डवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वार्ड पार्षद कांति साहू के अथक प्रयासों से वार्ड में विभिन्न आवश्यक विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिनका आज विधिवत भूमि पूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य वार्डवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

नपाध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। वार्ड की प्राथमिकताओं और नागरिकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सड़क, नाली सहित अन्य जरूरी कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने वार्डवासियों को भरोसा दिलाया कि वर्तमान कार्यों के साथ-साथ भविष्य में आवश्यकता के अनुसार अन्य विकास कार्य भी कराए जाएंगे।

इन विकास कार्यों का होगा निर्माण

कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद कांति साहू ने वार्ड में होने वाले विकास कार्यों की जानकारी उपस्थित नागरिकों को दी। उन्होंने बताया कि वार्ड में सड़क एवं नाली से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जिनमें—

1. प्रमोद यादव के घर से पटेल घर तक सीसी कोट टॉप निर्माण।
2. श्री राम लहरे के घर से रमेश टंडन के घर तक सीसी कोट टॉप निर्माण।
3. जग्गू यादव के घर से सुधीर यादव के घर तक सीसी रोड निर्माण।
4. ठाकुर घर से माला घर तक सीसी नाली निर्माण कार्य।

तुलसी जयंती के अवसर पर शिवरीनारायण में हुए विविध आयोजन

शिवरीनारायण मठ एवं महन्त लाल दास शिक्षण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुए सम्मिलित अनेक अतिथि

राजनांदगांव । श्रावण शुक्ल सप्तमी को गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज के जयंती का कार्यक्रम शिवरीनारायण मठ एवं महन्त लाल दास शिक्षण समिति द्वारा संचालित विद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रामचरितमानस की पूजा अर्चना के साथ हुई। आगंतुक अतिथियों का स्वागत शाल, फल एवं पुष्प गुच्छ भेंट करके किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोताओं एवं छात्र-छात्राओं को अतिथियों ने संबोधित करके गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज के सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान से अवगत कराया। राजे महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने अपने संदेश में कहा कि- गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज को अपने इष्टदेव रामचन्द्र जी के प्रति इतना प्रेम था कि उन्होंने अपने वृंदावन प्रवास के समय भगवान कृष्ण चंद्र जी का दर्शन करते समय यह कहा कि - कहा कहूं छवि आपकी भले बिराजे नाथ। तुलसी मस्तक तब नवे जब धनुष बाण लिए हाथ।। भगवान को अपने भक्त की भावनाओं

को देखकर रामचंद्र जी के रूप में दर्शन देना पड़ा। छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा जी ने कहा कि- यदि किसी माता-पिता को अपने संतान के भाग्य लिखने का अवसर मिल जाए तो क्या वह अपने संतान के जीवन के राह में कांटे लिखेगा ? भगवान सबके जीवन में सुख ही लिखते हैं लेकिन मनुष्य अपने कर्मों के कारण दुख प्राप्त करता है। मानस मर्मज्ञ विष्णु घर दीवान ने कहा कि- दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज काहू नहीं व्यापा।। लोगों को अनेक विशिष्ट एवं अति विशिष्ट मानस वक्ताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर विशेष रूप से नरेंद्र मिश्रा पूर्व विधायक बलौदा बाजार, भगत राम साहू, राधेलाल जायसवाल, बिहारी लाल भारद्वाज ,कोमल साहू, गंगाराम पटेल, पुनीराम साहू, त्यागी जी महाराज, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिक गण सम्मिलित हुए।

ध्वजारोहण में देरी पड़ी भारी, उप पंजीयक को एसडीएम का नोटिस

पामगढ़ ।। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में समय पर नहीं पहुंचना पामगढ़ की उप पंजीयक को भारी पड़ गया। निर्धारित समय पर कार्यक्रम में उपस्थिति नहीं देने के मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) पामगढ़ आरके तंबोली ने उप पंजीयक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में तीन दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बताया गया है कि पामगढ़ सिविल कोर्ट परिसर में ही उप पंजीयक कार्यालय संचालित होता है। स्वतंत्रता दिवस पर इसी परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में कार्यालय की जिम्मेदार अधिकारी के रूप में उप पंजीयक की उपस्थिति

अपेक्षित थी, लेकिन वे निर्धारित समय पर समारोह में नहीं पहुंचीं। जानकारी के अनुसार ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न होने के बाद उप पंजीयक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं।

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व के कार्यक्रम में जिम्मेदार अधिकारी की समय पर मौजूदगी नहीं होने की जानकारी मिलने पर एसडीएम आरके तंबोली ने मामले में संज्ञान लिया। जारी नोटिस में अधिकारी से देरी का कारण स्पष्ट करने को कहा गया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया अथवा जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की समयबद्धता और शासकीय कार्यक्रमों में अनिवार्य उपस्थिति को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

ग्राम सिब्दी में कृषक खेत पाठशाला का आयोजन, 60 किसानों ने ली भागीदारी

बालोद । कृषि विभाग की आत्मा योजना अंतर्गत ग्राम सिब्दी में उड़द फसल पर आधारित कृषक खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 60 कृषकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्रीय जनपद सदस्य टुकेश्वरी भूपेन्द्र साहू, सरपंच सुनील बेलचंदन, कृषि विज्ञान केंद्र अरौद के कृषि वैज्ञानिक सचिन वर्मा, कृषि विकास अधिकारी सजील, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी खुशवंत सिंह मरकाम , तारा दिल्लीवार, उत्तरा साहू सहित कृषक संगवारी तुकाराम साहू, गोदावरी निषाद, तुलेश्वरी साहू, कृषक भागवत राम सिन्हा एवं विजयपाल बेलचंदन उपस्थित रहे। इस दौरान कृषि वैज्ञानिक सचिन वर्मा ने उड़द फसल की वैज्ञानिक खेती के बारे में

विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बीजोपचार, बीज दर, कतार बोनी के महत्व और खाद की संतुलित मात्रा के संबंध में व्यावहारिक सलाह दी। कृषि विकास अधिकारी सजील ने फसल उत्पादन बढ़ाने एवं शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए आवश्यक चर्चा की। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी खुशवंत सिंह मरकाम ने विभागीय योजनाओं एवं तकनीकी सहायता के बारे में जानकारी दी।

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का अभियान, वार्ड 15 में घर-घर पहुंचे कार्यकर्ता

बलौदाबाजार । स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ अभियान को शहर के प्रत्येक वार्ड और बूथ स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के जिला प्रभारी सकलेन कामदार और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का नेतृत्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सेन ने किया। बैठक में अभियान को प्रभावी बनाने तथा अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इससे जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क कर नागरिकों की समस्याएं सुनने और अभियान से संबंधित फॉर्म भरवाने का आह्वान किया।

बैठक के बाद जिला प्रभारी

सकलेन कामदार, जिला अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे और शहर अध्यक्ष प्रवीण सेन सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वार्ड क्रमांक 15 में घर-घर पहुंचकर नागरिकों से संपर्क किया। इस दौरान स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी साझा की गई, उपभोक्ताओं के फॉर्म भरवाए गए और उनकी समस्याएं एवं चिंताएं सुनी गईं। सकलेन कामदार ने कहा कि अभियान को केवल बैठकों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि प्रत्येक वार्ड में घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं से संवाद किया जाएगा। सुमित्रा धृतलहरे ने कार्यकर्ताओं से जनहित के इस अभियान को सक्रियता के साथ आगे बढ़ाने की अपील की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने बताया कि शहर के सभी 21 वार्डों में अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा।

श्री रामलला दर्शन योजना के तहत गरियाबंद से 94 श्रद्धालुओं का दल रवाना

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा लोगों को अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना संचालित की गई है। इसके अंतर्गत दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम में श्री रामलला का निःशुल्क दर्शन कराया जा रहा है। साथ ही काशी विश्वनाथ का भी भ्रमण कराया जा रहा है। शासन द्वारा प्रत्येक जिलों से चयन कर सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है।

इसी क्रम में आज नगरपालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोहन ध्रुव, जनपद उपाध्यक्ष रेखराम साहू, सुरेन्द्र सोनटेके, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर सहित ने गरियाबंद जिले से भी दर्शनार्थियों से युक्त 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से श्रीरामलला दर्शन अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज रवाना हुए। इस दौरान अतिथियों ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। 94 श्रद्धालुओं में उनके देख-देख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है।

वन विभाग की तत्परता से भयभीत माउस डियर का सुरक्षित रेस्क्यू, उपचार उपरांत प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया

दंतेवाड़ा। वन्यजीव संरक्षण एवं संवेदनशील प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वन विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचे एक भयभीत माउस डियर का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर आवश्यक उपचार एवं देखरेख के बाद उसे उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया।

माउस डियर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-प् में सूचीबद्ध दुर्लभ एवं संरक्षित वन्यजीव है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुत्तों द्वारा पीछा किए जाने के कारण यह वन्यजीव भयभीत होकर कलेक्ट्रेट परिसर तक पहुंच गया था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर सावधानीपूर्वक उसका रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के पश्चात पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा माउस डियर का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक उपचार एवं निगरानी सुनिश्चित की गई। पूर्णतः स्वस्थ पाए जाने के बाद उसे बचेली वन क्षेत्र के उपयुक्त प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रूप से पुनर्वासित किया गया।

वन विभाग ने इस संबंध में आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में दिखाई दे या प्रवेश कर जाए, तो उसे पकड़ने, भगाने अथवा उसके निकट जाने का प्रयास न करें। इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दें, ताकि प्रशिक्षित वनकर्मी सुरक्षित तरीके से वन्य जीव का रेस्क्यू कर उसे उसके प्राकृतिक आवास में पहुंचा सकें।

जिला अस्पताल दंतेवाड़ा में टाइप 1 डायबिटीज क्लिनिक की हुई शुरुआत

दंतेवाड़ा। जिला कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय रामटेके की मार्गदर्शन में तथा यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के तकनीकी सहयोग से जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में अब प्रत्येक बुधवार को टाइप 1 डायबिटीज की शुरुआत की गई है। ज्ञात हो कि जिले में राष्ट्रीय गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों को बेहतर उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला अस्पताल दंतेवाड़ा में विशेष टाइप 1 मधुमेह क्लिनिक शुरुआत की गई है यह क्लीनिक प्रत्येक बुधवार को संचालित किया जाएगा जिसके माध्यम से मरीजों को एक ही स्थान पर आवश्यक जांच चिकित्सकीय परामर्श इंसुलिन प्रबंधन पोषण संबंधी मार्गदर्शन और नियमित फॉलो अप की सुविधा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि टाइप 1 डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन का निर्माण नहीं कर पता है इसका मरीज को नियमित रूप से इंसुलिन लेने रक्त में शुगर के स्तर की निगरानी करने और से किसी की सलाह के अनुसार भोजन एवं दिनचर्या बनाए रखने की आवश्यकता होती है।

जिला अस्पताल में इस विशेष क्लीनिक के प्रारंभ होने से टाइप वन मधुमेह के मरीजों को नियमित उपचार और परामर्श के लिए दूरस्थ स्वास्थ्य संस्थान या दूसरे शहर की यात्रा करने की आवश्यकता कम होगी मरीज को समय-समय पर फॉलोअप होने से उनके स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी की जा सकेगी और मधुमेह के कारण होने वाली संभावित जटिलताओं को रोकने में सहायता मिलेगी।

खाद्य व औषधि प्रशासन विभाग के टीम द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण

दंतेवाड़ा । खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार आज जिले अंतर्गत संचालित मिठाई निर्माण प्रतिष्ठानों, रिटेल, रेस्टोरेंट, ढाबा एवं अन्य दुकानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मिठाई निर्माण इकाइयों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी नियमों के अनुरूप प्रतिष्ठानों का संचालन करने एवं मिठाई प्रतिष्ठानों के ट्रे में रखे हुए मिठाइयों की निर्माण तिथि अंकित कर विक्रय किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रचार प्रसार हेतु आईईसी सामग्री, फ्लेक्स का वितरण एवं प्रदर्शन करने को कहा गया।

कलेक्टर शहर के प्रसिद्ध इंदिरा पार्क पहुंचकर साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं का लिया जायजा

कोरिया। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बुधवार को बैकुंठपुर शहर के प्रसिद्ध इंदिरा पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क में साफ-सफाई, नागरिक सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी तरुण एक्का को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि पार्क में नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। बारिश के कारण सीढ़ियों एवं पाथवे पर जमा काई और फिसलन को तत्काल साफ कराया जाए, ताकि पार्क में आने वाले नागरिकों को टहलने और आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। पार्क में खरपतवार को साफ करने पेड़ो की टहनियों को छटाई जैसे कार्य समय पर करने के निर्देश दिए।उन्होंने पार्क में अनावश्यक रूप से असामाजिक तत्वों का जमावड़ा न होने देने के लिए भी उचित निगरानी एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने इंदिरा पार्क स्थित ओपन जिम का भी अवलोकन किया। उन्होंने खराब एवं अनुपयोगी उपकरणों की जानकारी लेते हुए आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को ओपन जिम की सुविधा का बेहतर लाभ मिल सके। उन्होंने पार्क में पर्याप्त रोशनी, बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने पार्क की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सीएमओ को निर्देशित किया कि शहर के सभी वार्डों में नियमित साफ-सफाई का जायजा लिया जाए। नालियों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने मच्छरों की रोकथाम के लिए आवश्यकतानुसार दवा का छिड़काव कराने तथा जलभराव वाले स्थानों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शहर की सड़कों एवं प्रमुख चौक-चौराहों पर आवारा मवेशियों के कारण होने वाली परेशानियों को देखते हुए उनकी धरपकड़ एवं सुरक्षित स्थानों पर व्यवस्थापन के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका की टीम नियमित रूप से निगरानी करे। कलेक्टर ने शहरवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। नगर पालिका द्वारा साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, नाली और सार्वजनिक स्थलों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जलाशय से समृद्धि तक का सफर, 54 केजो ने बदली मछुआ समिति की तस्वीर

23 सदस्यों को लाभांश और 20 से अधिक लोगों को मिला रोजगार

एमसीबी। कभी केवल पानी के स्रोत के रूप में पहचाना जाने वाला ग्राम शंकरगढ़ का 10.70 हेक्टेयर जलाशय आज ग्रामीण आजीविका, रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है। यह कहानी है ब्लू-लाईन मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, मनेन्द्रगढ़ की, जिसने पारंपरिक मत्स्य पालन से आगे बढ़कर आधुनिक केज कल्चर तकनीक को अपनाया और जलाशय की क्षमता को आय के स्थायी स्रोत में बदल दिया।

समिति के अध्यक्ष संतोष मांझी के नेतृत्व में 23 सदस्यीय समिति ने मत्स्य विभाग के सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन से वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत जलाशय में 54 केज स्थापित किए। इन केजो में मोनोसेक्स तिलापिया एवं पंगाशियस का वैज्ञानिक तरीके से पालन शुरू किया गया। आज यही 54 केज समिति की आर्थिक प्रगति के प्रमुख आधार बन चुके हैं।

ब्लू-लाईन मछुआ सहकारी समिति का पंजीयन 29 अक्टूबर 2021 को हुआ। समिति ने ग्राम शंकरगढ़ स्थित जलाशय को लीज पर लेकर मत्स्य पालन शुरू किया, लेकिन पारंपरिक पद्धति से उत्पादन सीमित था। समिति के सदस्यों ने महसूस किया कि उपलब्ध जल संसाधन का बेहतर उपयोग आधुनिक तकनीक के माध्यम से ही संभव है। इसी सोच के साथ समिति ने केज कल्चर को अपनाया। मत्स्य विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के सहयोग से 54 केज स्थापित हुए। इसके बाद मछलियों के बीज, आहार, स्वास्थ्य, वृद्धि और जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी शुरू हुई। वैज्ञानिक प्रबंधन से मत्स्य पालन अधिक व्यवस्थित हुआ और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

वर्तमान में समिति के 54 केजो में मोनोसेकस तिलापिया एवं पंगाशियस का पालन किया जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, संतुलित एवं प्रोटीन युक्त आहार और नियमित स्वास्थ्य निगरानी को उत्पादन का आधार बनाया गया है।

मछलियों की उम्र, आकार और वृद्धि के अनुसार आहार की मात्रा तय की जाती है। केजो की नियमित देखभाल, जल की गुणवत्ता की जांच, मछलियों के स्वास्थ्य की निगरानी और समय पर प्रबंधन से उत्पादन प्रक्रिया को व्यवस्थित रखा जाता है।

इसी वैज्ञानिक पद्धति का परिणाम है कि समिति को वर्तमान में लगभग 30 से 40 टन मछली उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

समिति की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण इसके आर्थिक परिणाम हैं। बेहतर बाजार मूल्य मिलने पर मछलियों की बिक्री से समिति को लगभग 45 से 50 लाख रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है।

इसमें लगभग 30-35 लाख रुपये का चारा, 2-3 लाख रुपये मत्स्य बीज, 4-5 लाख रुपये मजदूरी तथा 1-2 लाख रुपये दवाइयों एवं अन्य प्रबंधन कार्यों पर खर्च होते हैं। प्रमुख खर्चों के बाद समिति को लगभग 8 से 12 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है।

इस आय का सीधा लाभ समिति के 23 सदस्यों को मिल रहा है। प्रत्येक सदस्य को लगभग 34 हजार से 52 हजार रुपये तक लाभांश प्राप्त हो रहा है। इससे सदस्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और सहकारिता के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ा है।

इस पहल का लाभ केवल समिति के सदस्यों तक सीमित नहीं है। केजो की देखभाल, मछलियों को आहार देने, स्वास्थ्य एवं वृद्धि की निगरानी, मछली निकालने, छंटाई, परिवहन और बाजार तक पहुंचाने जैसे कार्यों में 20 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है।

भखारा मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन का समय निर्धारित

धमतरी । जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आम नागरिकों की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से धमतरी से भखारा होकर जाने वाले भारी वाहनों के आवागमन का समय निर्धारित किया गया है। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुबह 6.00 बजे से रात 10.00 बजे तक भारी वाहनों का इस मार्ग पर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इस व्यवस्था के तहत धमतरी से भखारा होकर रायपुर तथा रायपुर से भखारा, धमतरी होकर अन्य स्थानों एवं शहरों की ओर जाने वाले भारी वाहनों को निर्धारित समयावधि में भखारा मार्ग का उपयोग नहीं करना होगा। ऐसे भारी वाहन अपने गंतव्य तक आवागमन के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) का उपयोग करेंगे। इससे भखारा मार्ग पर यातायात का दबाव कम होने के साथ स्थानीय नागरिकों एवं छोटे वाहनों के लिए आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम होगा।

'प्रधानमंत्री आवास ने फूलमत बाई को दिया पक्की छत का सहारा, पीएम मोदी और सीएम साय के प्रति जताया आभार'

कोरिया। कभी जर्जर कच्चे मकान में बारिश के दौरान छत टपकने और दीवार गिरने की चिंता में जीवन गुजारने वाली ग्राम पंचायत डकईपारा की 70 वर्षीय फूलमत बाई के जीवन में अब खुशियों ने दस्तक दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मिले पक्के आवास ने उन्हें सुरक्षित छत के साथ सम्मानजनक जीवन का भरोसा दिया है। शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर उनका एकाकी और कठिन जीवन अब पहले से कहीं आसान हो गया है।

पति के निधन के बाद फूलमत बाई के सामने सुरक्षित आवास और आर्थिक जरूरतों की चुनौती थी। वे अपनी बेटी और दामाद के साथ जर्जर मिट्टी के मकान में जीवनयापन कर रही थीं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास स्वीकृत होने के बाद पहली किश्त मिलते ही निर्माण शुरू हुआ और आज उनके पास अपना मजबूत पक्का मकान है। पक्की छत ने उन्हें मौसम की परेशानियों से राहत देने के साथ जीवन में सुरक्षा और आत्मसम्मान भी दिया है।

आवास निर्माण के दौरान फूलमत बाई को मनरेगा के तहत 90 दिवस की अकुशल श्रम मजदूरी का लाभ भी मिला। इससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला और घर के निर्माण में भी सहायता मिली। आवास योजना और मनरेगा का यह समन्वय उनके लिए आर्थिक मजबूती का आधार बना। फूलमत बाई को उचित मूल्य दुकान से राशन का लाभ मिल रहा है। वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मिले गैस चूल्हे से अब उन्हें लकड़ी और कंडे के लिए परेशान नहीं होना पड़ता।

एकलव्य विद्यालयों की व्यवस्था और शिक्षा की गुणवत्ता पर कलेक्टर ने की गहन समीक्षा

एमसीबी। जनजातीय विद्यार्थियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विद्यालय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह एवं जनमन क्षेत्र के विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था, छात्रावास सुविधाओं, अधोसंरचना, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (ह्श्वस्ज्ञ्स्), नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विद्यालयों के प्रभावी संचालन पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत जनजाति विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, अनुशासित और सकारात्मक वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों की व्यवस्था की नियमित निगरानी करने तथा विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप त्वरित सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में विद्यालयवार परीक्षा परिणामों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कमजोर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को चिन्हित कर उनके लिए रेमेडियल यानी उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए विषयवार कठिनाइयों को दूर करने और अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

उन्होंने स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल आईसीटी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा का लाभ मिल सके। शिक्षकों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर के अनुसार विशेष सहयोग देने और उनकी प्रगति की सतत निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में विद्यालयों की अधोसंरचना एवं मूलभूत सुविधाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

निःशुल्क मक्का बीज एवं कृषि विभाग के मार्गदर्शन से रमेश रजवाड़े ने 2 एकड़ में की मक्का की खेती

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मिशन अंतर्गत मोटा अनाज योजना के माध्यम से जिले के किसानों को फसल उत्पादन के लिए आवश्यक सहयोग, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के तहत किसानों को कृषि की वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ते हुए बेहतर उत्पादन और आय में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसी क्रम में विकासखंड अम्बिकापुर के ग्राम कृष्णापुर निवासी किसान रमेश रजवाड़े ने इस वर्ष कृषि विभाग के मार्गदर्शन में 2 एकड़ क्षेत्र में मक्का की खेती की है। ग्राम सेवक के माध्यम से उन्हें 2 एकड़ के लिए मक्का का बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया गया, जिसे उन्होंने खेत में निर्धारित कतार पद्धति से लगाया। वर्तमान में उनकी मक्का की फसल अच्छी स्थिति में है और खेत में फसल की बढ़वार देखकर वे उत्साहित हैं।

रमेश रजवाड़े बताते हैं कि पिछले वर्ष वे उड़द की खेती कर रहे थे, लेकिन इस वर्ष शासन के मार्गदर्शन पर उन्होंने मक्का की खेती करने का निर्णय लिया। कृषि विभाग द्वारा उन्हें मक्का बीज उपलब्ध कराने के साथ ही फसल को कतार में लगाने की जानकारी दी गई। उन्होंने खेत में मक्का की बुवाई के बाद समय-समय पर दवा का छिड़काव किया है और फसल की नियमित देखभाल कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के ग्राम सेवक एवं मैदानी अमले से खेती-किसानी के संबंध में समय-समय पर मार्गदर्शन मिल रहा है। इससे उन्हें फसल की देखभाल करने में सुविधा हो रही है। किसान रजवाड़े को उम्मीद है कि बेहतर फसल उत्पादन प्राप्त होगा और इससे उनकी आमदनी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

किसान रमेश रजवाड़े ने कहा कि किसानों को खेती के लिए आवश्यक सहयोग मिल रहा है। उन्होंने निःशुल्क बीज उपलब्ध कराने तथा किसानों को कृषि संबंधी मार्गदर्शन देने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मिशन के अंतर्गत किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे बीज एवं तकनीकी मार्गदर्शन से खेती में नई तकनीकों को बढ़ावा मिल रहा है। कतारबद्ध तरीके से फसल लगाने जैसी वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से किसानों में बेहतर उत्पादन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ फसल प्रबंधन एवं बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

अपराध किया है तो सजा जरूर मिलनी चाहिए

लोकतंत्र में लोगों को कई तरह के अधिकार मिले हुए हैं,लोगों को मिले हुए अधिकार का उपयोग करने का हक है,अधिकार का जब सदुपयोग होता है तो उसका सब स्वागत करते हैं कि लोगों ने अपने अधिकार का उपयोग किया। अधिकार के सदुपयोग को कोई अपराध नहीं कहता है लेकिन जब अधिकार का दुरुपयोग होता है तो वह अपराध होता है। लोकतंत्र में हर तरह के अपराध को रोकने के लिए कानून है और पुलिस है।पुलिस का काम कानून व्यवस्था बनाए रखना और हर तरह के अपराध को रोकना है।देश के लोग पुलिस से यह अपेक्षा करते हैं कि उसका जो काम है वह अच्छी तरह से करे।जब भी वह अपना काम करती है तो कानून को न मानने वाले लोग,कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वाले लोग यही आरोप लगाते हैं कि पुलिस ने अपना काम अच्छे से नहीं किया। हम लोगों के साथ ज्यादती की है। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है तो ज्यादातर लोग तो पुलिस के खिलाफ ही शिकायत लेकर पहुंचते है और पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं।

जंतर मंतर आंदोलन के दौरान संसद मार्च के दौरान पुलिस पर आरोप लगाया है कि उसने प्रदर्शनकारियों के साथ ज्यादती की है यानी उसने अति बल प्रयोग किया है,जितना बल उसे प्रयोग करना था, उससे ज्यादा बल प्रयोग किया है, इससे प्रदर्शनकारियों को चोट लगी है,वह घायल हुए हैं।अदालत को न्याय करना है,एक व्यवस्था देना है ताकि भविष्य इस तरह की घटना न हो इसलिए अदालत जब तक सभी पक्षों की सुन नहीं लेती तब तक कोई फैसला नहीं दे सकती। सभी पक्ष के पीड़ित पक्ष के लोगों की शिकायत सुनने के लिए कोर्ट ने एक उच्चस्तरीय समिति गठन करने का फैसला किया है।यह समिति पुलिस ज्यादती की जांच करेगी, साथ ही यह समिति और भी कई बातों की जांच करेगी,जैसे

पुलिस पर किए हमले की जांच करेगी,प्रदर्शन में शामिल अपराधियों के मामले की जांच करेगी।समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद यह तय किया जाएगा जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है,उनमें किन लोगों का एफआईआर वापस हो सकता है।कुछ लोगों ने आपत्ति की है इसलिए फेशियल रिकग्निशन टेक्नालांजी,सर्विलांस प्राइवेसी और आर्टिकल 21 से जुड़े संवैधानिक सवालों पर फैसला करेगा।

छात्रों का आंदोलन हो या किसी भी वर्ग के लोगों का आंदोलन हो,आंदोलन की अनुमति देते वक्त वह लिखित में देते हैं कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण होगा, कुछ गड़बड़ होती है तो उसके लिए वह जिम्मेदार होंगे तो कोर्ट को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और आंदोलन शांतिपूर्ण न होने पर आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उसकी सजा भी आयोजकों को मिलनी चाहिए।वह शांतिपूर्ण आंदोलन की जिम्मेदारी लेते हैं तो शांतिपूर्ण आंदोलन उनकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। वह यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते कि असामाजिक तत्व आंदोलन में शामिल हो गए और जो अपराध हुआ है,उसके लिए वह आयोजक जिम्मेदार नहीं है। यह तो पुलिस का काम था कि वह असामाजिक तत्वों को पकड़ती।पुलिस फेशियल रिकग्निशन टेक्नालाजी,सर्विलांस तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसा करती है तो वकील लोग कोर्ट में कहते हैं कि पुलिस को यह करने का अधिकार नहीं है,ऐसे में पुलिस कैसे पता कर सकती है कि आंदोलन में असामाजिक तत्व शामिल थे,पुलिस ने इस तकनीक के जरिए है तो पता लगाया है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन में ऐसे 2800 लोग शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट के सामने पुलिस का पक्ष भी आया है तो इससे पता चलता है कि पुलिस पर जो आरोप लगाया गया है वह आदतन लगाया गया है क्योंकि पुलिस को तो हमेशा कार्रवाई करने पर और कार्रवाई न करने पर दोनों तरफ से आरोंपो का सामना करना पड़ता है। हकीकत यह है कि पुलिस के लिए जो नियम बने हुए हैं कि किस स्थिति में क्या करना है, वह स्थिति के अनुसार वही करती है।प्रदर्शनकारियों को आंदोलन की अनुमति थी,उनको आंदोलन करने से तो पुलिस ने नहीं रोका,संसद मार्च बगैर अनुमति के किया गया था।वह गैरकानूनी था और पुलिस काम था वह कुछ भी गैरकानूनी न होने दे और पुलिस ने जो कुछ भी किया वह स्थिति के मुताबिक किया।पुलिस ने कोर्ट को बताया है कि स्थिति क्या थी।30 हजार लोग तीन किमी के दायरे में फैले हुए थे।उन्हें नियंत्रित करने के लिए मौके पर पांच हजार पुलिस कर्मी ही थे,भीड़ के नियंत्रण के बाहर होने पर ही संघर्ष हुआ और इस दौरान 240 पुलिस वाले व 200 आम लोग घायल हुए हैं।

निजता को बनाए रखें और गोपनीयता के प्रति सजग रहें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

वैसे तो हर व्यक्ति अपने भीतर एक रहस्य समेटे रहता है। वह क्या सोच रहा है, उसके मन में क्या चल रहा है और समय के साथ उसका व्यवहार किस दिशा में बदलेगा, इसे पूरी तरह समझ पाना आसान नहीं होता। कई बार गहरे और आत्मीय रिश्तों में भी व्यक्ति का एक निजी संसार बना रहता है। इसी संदर्भ में दो शब्द महत्वपूर्ण हैं—निजता और गोपनीयता।

सबसे निकट का रिश्ता पति-पत्नी का माना जाता है। इस रिश्ते की मजबूती का आधार विश्वास और पारदर्शिता है। दोनों के बीच ऐसी गोपनीयता नहीं होनी चाहिए, जो विश्वास को कमजोर करे। आर्थिक मामलों, महत्वपूर्ण निर्णयों, भावनाओं और जीवन से जुड़े जरूरी विषयों पर एक-दूसरे से खुलकर बात करना रिश्ते को मजबूत बनाता है। जहां बातें छिपाई जाती हैं, वहां धीरे-धीरे संदेह जन्म लेने लगता है। लेकिन इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि पति-पत्नी एक-दूसरे की हर निजी सीमा को समाप्त कर दें। निजता हर व्यक्ति की जरूरत है। हर इंसान को कुछ समय अपने लिए चाहिए, अपने विचारों के साथ रहने की स्वतंत्रता चाहिए और कुछ व्यक्तिगत पसंद-नापसंद भी होती हैं। समझदार दंपती एक-दूसरे से जरूरी बातें छिपाते नहीं, लेकिन एक-दूसरे की निजी सीमाओं का सम्मान जरूर करते हैं।

इसे इस तरह समझा जा सकता है कि रिश्ते में विश्वास के साथ पारदर्शिता हो, लेकिन निजता के लिए सम्मान भी हो। किसी के मोबाइल, व्यक्तिगत बातचीत या निजी समय में अनावश्यक हस्तक्षेप करना प्रेम नहीं, बल्कि असुरक्षा का संकेत हो सकता है। सच्चा संबंध वह है, जिसमें सामने वाले को अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ स्वीकार किया जाए।

भगवान बुद्ध के उदाहरण से भी इसे समझा जा सकता है। बुद्ध का व्यक्तित्व गहरा और रहस्यमयी था, लेकिन उसमें भय नहीं था। उनके भीतर करुणा, शांति और दया थी। इससे सीख मिलती है कि रहस्यपूर्ण होना और गोपनीयता रखना हमेशा गलत नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि हमारी गोपनीयता किसी दूसरे के विश्वास या अधिकार को नुकसान न पहुंचाए। हम सार्वजनिक जीवन में हों या पारिवारिक जीवन में, अपनी और दूसरों की निजता का सम्मान करना चाहिए। साथ ही यह विवेक भी होना चाहिए कि कौन-सी बात पारदर्शी रखना जरूरी है और कौन-सी बात व्यक्ति के निजी क्षेत्र का हिस्सा है।

बहुत सारे नए रोजगार भी क्रिएट करेगा एआई

तो क्या एआई हमारी नौकरियां खाने जा रहा है? अभी तो कोई नहीं जानता कि यह कितनी तेजी से होगा, कितना व्यापक होगा और इसका सबसे अधिक असर किन सेक्टर्स पर पड़ेगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि अलग-अलग कंपनियां इस तकनीक को अपने कामकाज में कितनी तेजी से लागू करती हैं।

अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के हालिया बिजनेस ट्रेंड्स एंड आउटलुक सर्वे के अनुसार, 20 से कम कर्मचारियों वाली केवल 20% कंपनियां ही वर्तमान में एआई का इस्तेमाल करती हैं, जबकि कम से कम 250 कर्मचारियों वाले 37% बिजनेसों में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी बड़ी कंपनियां इस तकनीक का अधिक उपयोग कर रही हैं, लेकिन 37% का आंकड़ा भी कम ही है।

फिलहाल, एआई को अपनाने की राह में एक बड़ी बाधा यह है कि पहले से ही असाधारण क्षमताओं वाली इस तकनीक को मौजूदा वर्कफ्लो में इस तरह से कैसे समायोजित करें कि कंपनियां उसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके लिए ऐसे मॉडल जरूरी हैं, जो न केवल मौजूदा डेटा पर प्रशिक्षित हों, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल से पैदा होने वाले नए डेटा के प्रति एडाप्टिव भी हों।

एआई को अपनाने में बाधा डालने वाला एक अन्य फैक्टर लागतों को लेकर अनिश्चितता है। कई बड़ी कंपनियां अभी भी पायलट प्रोजेक्ट चला रही हैं और नियुक्ति या छंटनी के फैसले टाल रही हैं, क्योंकि वे स्थिति के और स्पष्ट होने का इंतजार कर रही हैं। लेकिन प्रतिस्पर्धात्मक दबाव उन्हें इस तकनीक को अपनाने के लिए मजबूर करेगा ही।

इसके बावजूद, रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। अगर कंपनियां वही वस्तुएं बनाती और वही सेवाएं उपलब्ध कराती रहती हैं- जो वे अभी करती हैं- तो एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। हां, कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव और दिलचस्प भी होंगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि एआई ऊबाऊ और दोहराव वाले कामों को कम करेगा और उन कामों में मदद करेगा, जिन्हें इंसान ज्यादा अच्छी तरह से नहीं कर पाते हैं।

साथ ही, नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की, जो इस तकनीक के इंप्लीमेंटेशन की निगरानी करेंगे। इसके अलावा, अगर एआई को अपनाने की वजह प्रोडक्टिविटी में वृद्धि है (यह नहीं कि यह मानव-श्रम की तुलना में सस्ता पड़ता है), तो कंपनियों की कम लागत में अधिक उत्पादन करने की क्षमता उन्हें कीमतें घटाने और बिक्री बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। यह प्रसिद्ध जेवन्स-इफेक्ट है और इससे रोजगार भी बढ़ने चाहिए। आशावादी होने का एक और कारण यह है कि एआई नए बिजनेस खड़े करने में मदद कर सकता है।

मान लीजिए कि कोई व्यक्ति फर्नीचर बनाने का कारोबार शुरू करना चाहता है, लेकिन वह इसलिए हिचकिचाता है क्योंकि इसके लिए उसे एक वेब-प्रोग्रामर और अकाउंटेंट की जरूरत है। अगर एआई ये दोनों भूमिकाएं निभा सके, तो शायद वह काफी कम लागत में एकल स्वामित्व वाला व्यवसाय शुरू कर सकता है। महामारी के दौरान स्टार्टअप की संख्या पहले ही काफी बढ़ गई थी और हाल की तिमाहियों में इसमें और वृद्धि हुई है।

अर्थशास्त्री डेविड ऑटर बताते हैं कि एआई मध्यम कौशल वाले कामगारों को हाई-स्किल्स से लैस कर सकता है। इसका उदाहरण कोई नर्स प्रैक्टिशनर है, जो मेडिकल एआई की मदद से कहीं अधिक बीमारियों की पहचान और इलाज कर सकती है। दुनिया भर में चिकित्सा-सेवाओं की भारी मांग को देखते हुए इस क्षेत्र में नए रोजगार पैदा करने की काफी गुंजाइश है।

यह समझते हुए कि एआई के कारण नौकरियों के संकट का पहला दौर आखिरी नहीं होगा, कंपनियों को समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और जहां तक संभव हो, उन्हें नौकरी पर बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत होगी। सरकारें कर्मचारियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए टैक्स-क्रेडिट पर विचार कर सकती हैं, जिसमें कर्मचारी के काम पर बने रहने पर हर साल प्रशिक्षण की लागत का एक-तिहाई इस्तेमाल किया जा सके। अगर सरकार ऐसी नीति एआई अपनाने वाली कंपनियों पर लागू करना चाहती है, तो वो यह भी कर सकती है कि इस क्रेडिट का इस्तेमाल केवल टोकन टैक्स की भरपाई के लिए हो।

हालांकि, कर-प्रोत्साहनों से भी अधिक महत्वपूर्ण यह होगा कि कंपनियां स्वीकारें वे अपने कर्मचारियों को अनिश्चित भविष्य से निपटने में मदद करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे रोजगार को लेकर अनिश्चितता बढ़ेगी, सबसे योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी ऐसे एम्प्लॉयर के यहां नौकरी स्वीकार करने को लेकर चिंतित हो सकते हैं, जो जब चाहे उन्हें नौकरी से निकाल सकता है। जो एम्प्लॉयर अपने कर्मचारियों को सहयोग देने का वादा करेंगे, उन्हें अंततः एक अतिरिक्त लाभ भी मिल सकता है : उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तो उनके पास चुनने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उम्मीदवारों का एक बड़ा पूल होगा।

रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव भी होंगी।

मुनाफा तय न करे कि कौन-सी जांच हो और कौन-सी दवा दें

भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये है, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं।

इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सुझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे।

लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते। इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश को खलनायक मानना सही नहीं होगा।

समस्या पूंजी नहीं, यह है कि पूंजी से मिलने वाले लाभ की अपेक्षा कहीं चिकित्सा निर्णयों को प्रभावित न करने लगे। स्वास्थ्य-सेवा सामान्य बाजार नहीं है। बीमार व्यक्ति कार या मोबाइल खरीदने वाले ग्राहक की तरह अलग-अलग दुकानों में कीमतों की तुलना नहीं कर सकता। अस्पताल ही काफी हद तक तय करता है कि मरीज का क्या इलाज करना है।

एमआरआई जरूरी है या नहीं, भर्ती दो दिन और चले या नहीं, एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता है या दवाओं से इलाज हो सकता है- इन फैसलों में डॉक्टर और अस्पताल के पास मरीज से कहीं अधिक जानकारी होती है। यह स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी इन्फॉर्मेशन एसीमेट्री या ज्ञान-असमानता है, जिसके बारे में अर्थशास्त्री लम्बे समय से बताते रहे हैं।

कॉर्पोरेट अस्पतालों में महंगी तकनीक, नामी विशेषज्ञ और बेहतर सुविधाएं गुणवत्ता बढ़ा सकती हैं। लेकिन इनकी लागत भी वसूलनी होती है। संस्थानों पर लगातार बेड भरने, प्रति मरीज आय बढ़ाने या अधिक जांचें कराने का दबाव होता है। अधिकांश डॉक्टर मरीज का हित ही चाहते हैं, लेकिन संस्थागत प्रोत्साहन चिकित्सकीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं। यहीं से 'ओवर-मेडिकलाइजेशन' की समस्या शुरू होती है।

अधिक जांचें ऐसी छोटी असामान्यताएं पकड़ सकती हैं जिनसे मरीज को जीवनभर कोई नुकसान नहीं होता। फिर उनके पीछे नई जांचें होती हैं। सामान्य सीमा के आसपास की स्थिति बीमारी घोषित हो सकती है। जिसे घर पर दवाओं व निगरानी से संभाला जा सकता था, वह अस्पताल में भर्ती हो सकता है। जहां इंतजार और निगरानी उचित थी, वहां प्रक्रिया की सलाह दी जा सकती है।

सीजेरियन ऑपरेशन, एंजियोप्लास्टी, आईसीयू भर्ती, डायग्नोस्टिक पैकेज और लंबी दवा-सूचियों पर इसलिए केवल व्यक्तिगत चिकित्सकीय फैसलों के रूप में नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य-तंत्र के प्रोत्साहनों के संदर्भ में भी विचार होना चाहिए। हमें स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश चाहिए।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

महाराज श्रीदशरथ से कैकेईजी ने कहा कि महाराज ! आज तो आपको यह अवसर मिला है जिसके द्वारा अयोध्या में धर्म के चारों चरण पूरे हो जाएंगे। आज तो सत्य, तप, दया और दान चारों चरण एक साथ एकत्र हो गए। क्योंकि आपने मुझे वचन दिया था कि जो मांगोगी वह मिलेगा। और अगर आप उस वचन को पूरा करेंगे तो आपके सत्य की रक्षा हो जाएगी। धर्म का दूसरा चरण है तप और राम अगर चौदह वर्ष के लिए वन जाकर तप करेंगे तो धर्म का दूसरा चरण तब पूरा हो जाएगा। धर्म का तीसरा चरण दान है और जब आप भरत को राज्य का दान दे देंगे तो धर्म का तीसरा चरण पूरा हो जाएगा। और धर्म का चौथा चरण दया है तो आप दया मेरे ऊपर कीजिए। इस प्रकार सत्य, तप दया और दान चारों की रक्षा होने वाली है। और मैं तो धर्म की रक्षा के लिए ही सब कुछ कर रही हूं। और बँटवारा कितना बढ़िया किया है। सत्य का पालन दशरथ करें, तपस्या राम करें, एवं दया और दान हमें मिले। इसका अभिप्राय है कि हम यह चाहते हैं कि धर्म में जितनी त्याग की बात हो वह दूसरों के जीवन में आए। और धर्म में जितनी भोग या उपलब्धि की बात है वह हमारे जीवन में आए। जीवन में तप श्रेष्ठ है, अगर दूसरे का लड़का करे और भोग श्रेष्ठ है, अगर हमारे लड़के को मिले। यदि इस प्रकार धर्म का बंटवारा किया जाए तो यह धर्म नहीं अपितु धर्म के साथ छल होगा, तथा महारानी कैकेई ने यही छल किया।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

शहरों को 'स्मार्ट' बनाना है तो उनके लिए जवाबदेही तय करें

सरकार ने 2015 में जब 100 स्मार्ट सिटी विकसित करने की योजना घोषित की थी तो उससे जनता की अपेक्षाएं बहुत अधिक थीं। लोग दशकों से जर्जर बुनियादी ढांचे, गड्ढों से भरी सड़कों, ट्रैफिक जाम और भ्रष्टाचार झेलते आ रहे थे। स्मार्ट सिटीज मिशन ने हालात बदलने का वादा किया था। लेकिन अब तक तो ऐसा नहीं हो पाया है।

ये सच है कि एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, पुल, सुरंगें और सी-लिंक जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए गए हैं, लेकिन इनमें खामियां भी सामने आ रही हैं। नए पुल ढह जाते हैं, एक्सप्रेस-वे में दरारें पड़ जाती हैं और सुरंगों में पानी भर जाता है। स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छता, सार्वजनिक सेवाओं में विश्वस्तरीय सुविधाएं देने और समस्याओं पर डिजिटल माध्यम से कार्रवाई के प्रावधान थे।

2020-2021 में कोविड ने इसके कामकाज को बेपटरी कर दिया। 2023-2024 में सरकार का ध्यान चुनावों पर चला गया। 2025 में मिशन की दसवीं वर्षगांठ पर सरकार ने अपना बचाव करते हुए कहा था कि 'शहरों का विकास अब एरिया-बेस्ड डेवलपमेंट (एबीडी) के नजरिए से किया जा रहा है, जिसमें सभी 100 शहरों ने टारगेटेड तरीके से विकास कार्यों के लिए कुछ तयशुदा क्षेत्रों का चयन किया है। जनभागीदारी से चुने गए एबीडी क्षेत्रों को ऐसे मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, जिसे शहर के बाकी हिस्सों में भी लागू किया जा सके।

इसके अलावा, हर शहर में पैन-सिटी प्रोजेक्ट भी शामिल किए गए हैं, जिनमें बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए तकनीक आधारित समाधान अपनाए जा रहे हैं।' कागज पर यह सब प्रभावी लगता है। धरातल पर कई क्षेत्रों में प्रगति भी दिखती है। मिशन के 100 में से 28 शहरों में पेयजल सप्लाई बेहतर हुई और नल के जरिए जलापूर्ति वाले घरों की संख्या भी 2014 के 17% से बढ़कर 2026 में 80% हो गई। इंदौर जैसे शहर बेहद साफ-सुथरे

हैं और मिशन की रैंकिंग में लगातार पहले स्थान पर रहे हैं।

लेकिन दर्जनों शहर ऐसे भी हैं, जहां अब भी खराब आवास-व्यवस्था, बदहाल सड़कें, कूड़ा-करकट और भ्रष्टाचार बड़ी समस्या बना हुआ है। भले ही स्मार्ट सिटीज मिशन भारत की शहरी समस्याओं से निपटने की अच्छी शुरुआत हो, लेकिन असल सुधारों की जरूरत राजनीतिक स्तर पर है। जब तक शहरों और कस्बों को राज्य सरकारों की निगरानी से आजाद करके उन्हें स्वायत्तता और जवाबदेही नहीं दी जाती, तब तक भारत के शहर बदहाल ही रहेंगे।

मसलन, मुंबई की मेयर के पास नगरीय प्रशासन की कोई शक्तियां नहीं हैं। मेयर का निर्वाचन भी वहां की जनता नहीं करती, बल्कि राज्य में सत्तारूढ़ दल ही उसे चुनते हैं। भारत के सबसे अमीर नगरीय निकाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के कमिश्नर नौकरशाह होते हैं। इनमें कई अधिकारी तो बहुत अच्छा काम भी करते हैं, लेकिन उनका कार्यकाल दो साल से भी कम का होता है। तबादला हुआ तो पीछे छूट गई व्यवस्था में स्थायी सुधार करने का उनका प्रोत्साहन भी जाता रहता है।

राजनेताओं, नौकरशाहों और ठेकेदारों की मिलीभगत से ऐसी सड़कें बनाई जाती हैं, जो जल्द खराब हो जाएं। इनमें जानबूझकर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है, ताकि उन्हें हर साल मरम्मत की जरूरत पड़े। फिर रिश्वतखोरी का खेल चलता है। मुंबई-गोवा और नासिक की सड़कों की हालत इस बात का प्रमाण है कि राजनेता-नौकरशाह-ठेकेदार गठजोड़ ने भारत के बुनियादी ढांचा विकास को कैसे कमजोर किया है।

लंदन और न्यूयॉर्क में मेयर का चुनाव जनता के वोट से होता है। ये मेयर नागरिकों के प्रति जवाबदेह होते हैं। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी उन बहुत-से मेयरों में से एक हैं, जिन्होंने न्यूयॉर्क को बदला है। 1970 और 1980 के दशक में न्यूयॉर्क की छवि एक खस्ताहाल शहर की थी। टाइम्स स्क्वायर अपराध और फूहड़पन का अड्?डा बन गया था।

इसके बाद रूडी जूलियानी, माइकल ब्लूमबर्ग, बिल डी ब्लासियो और अब ममदानी जैसे मेयरों ने शहर को स्वच्छ बनाया, अपराध कम किया और रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों को आकर्षित किया। जबकि मुंबई में रितु तावड़े निर्वाचित नहीं हुई, उनका चयन किया गया है। शहर की गड्ढों भरी सड़कों या जर्जर इमारतों के प्रति उनकी सीधी जिम्मेदारी नहीं है। यही वजह है कि मुंबई 100 स्मार्ट शहरों की सूची में निचले पायदान पर है। इस स्थिति को बदलने के लिए भारत के हर शहर में निर्वाचित मेयर होने चाहिए, जो उन्हें वोट देने वाले नागरिकों के प्रति जवाबदेह हों।

असल सुधारों की जरूरत राजनीतिक स्तर पर है। जब तक शहरों के नेतृत्व को राज्य सरकारों की निगरानी से आजाद करके लंदन और न्यूयॉर्क के मेयरों जैसी स्वायत्तता और जवाबदेही नहीं दी जाती, तब तक वे बदहाल ही बने रहेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

10वीं-12वीं के टॉपर्स को मिली 5-5 हजार की प्रोत्साहन राशिः विधायक सुनील सोनी ने छात्रों को दिए टिप्स, सफलता के लिए समय के रहें पाबंद

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने 19 अगस्त 2026 को विधानसभा क्षेत्र के 5 सरकारी स्कूलों के 10वीं और 12वीं के उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथ 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी। राशि मिलने पर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

रायपुर दक्षिण विधानसभा के सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों के करीब 184 विद्यार्थियों ने वर्ष 2025-26 की मेरिट लिस्ट में जगह बनाई है। इन छात्रों ने 85 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल कर अपने स्कूल, शिक्षकों और माता-पिता का नाम रोशन किया है। विधायक सुनील सोनी सभी 184 छात्रों से स्कूल पहुंचकर मुलाकात करेंगे और उन्हें प्रमाण पत्र व प्रोत्साहन राशि देंगे।

पहले दिन बांटे गए 5-5 हजार के चेक

इस अभियान के पहले दिन उन्होंने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मठपारा, शासकीय हाई स्कूल कुशालपुर, लक्ष्मीनारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधव राव सप्रे स्कूल बूढ़ापारा और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंगोराभाठा के 31 छात्रों को चेक और प्रमाण पत्र दिए।

विधायक सुनील सोनी ने छात्रों को दिए टिप्स

इस दौरान विधायक ने छात्रों से बातचीत भी की। प्रोत्साहन राशि मिलने पर छात्र काफी उत्साहित नजर आए। स्कूल के अन्य विद्यार्थियों ने भी तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया।

विधायक सुनील सोनी ने छात्रों से कहा कि वे आने वाले साल में भी मेहनत करें और ज्यादा से ज्यादा संख्या में मेरिट लिस्ट में जगह बनाएं। उन्होंने कहा कि समय का पाबंद रहना, नियमित दिनचर्या बनाना और लगातार मेहनत करना सफलता की कुंजी है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

भोरमदेव मंदिर में भगदड़ जैसे हालात ...:सीढ़ियों से एक-दूसरे पर गिरे कांवड़िए

रायपुर/कवर्धा। सावन में भोरमदेव मंदिर में बढ़ रही भीड़ के बीच दर्शन व्यवस्था को लेकर विवाद सामने आया है। मंदिर के निकासी द्वार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में भगदड़ जैसे हालात हैं। सीढ़ियों से एक दूसरे पर कांवड़िए गिर रहे हैं।

इससे व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। श्रद्धालुओं और युवाओं का आरोप है कि आम श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है और वीआईपी कल्चर के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वहीं पुलिस ने इन आरोपों को अलग नजरिए से बताया है। पुलिस के अनुसार कुछ लोग निकासी द्वार से उल्टी दिशा में गर्भगृह की ओर जाने की कोशिश कर रहे थे। भीड़ का दबाव बढ़ने से भगदड़ की आशंका थी, इसलिए उन्हें रोका गया।

दिव्यांगता सर्टिफिकेट पर नौकरी कर रहे कर्मचारियों की होगी जांच

186 सरकारी कर्मचारी चिह्नित, मेडिकल बोर्ड के सामने होना पड़ेगा पेश, प्रमाण-पत्र वेरीफाई कराना होगा

रायपुर। दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी कर रहे 186 कर्मचारियों की अब जांच होगी। इन कर्मचारियों का मेडिकल बोर्ड के जरिए परीक्षण कराया जाएगा। उन्हें राज्य या संभागीय मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होकर जांच करानी होगी।

सरकार ने इन मामलों की जांच के लिए जरूरी प्रक्रिया और दिशा-निर्देश तय करने पर भी चर्चा की है। जांच के दौरान कर्मचारियों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र का सत्यापन किया जाएगा।

समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को मंत्रालय में संयुक्त बैठक लेकर दिव्यांगजनों से जुड़े मामलों की समीक्षा की। बैठक में सरकारी सेवा में कार्यरत 186 लोगों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की जांच का मुद्दा प्रमुखता से उठा।

बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार 186 मामलों की जांच राज्य मेडिकल बोर्ड या संभागीय मेडिकल बोर्ड से कराने पर चर्चा हुई। संबंधित कर्मचारियों को मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होकर परीक्षण कराना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में कार्यरत लोगों की जांच के लिए राज्य और संभागीय मेडिकल बोर्ड में परीक्षण की प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे।

बैठक में दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया को आसान करने पर भी चर्चा हुई। मेडिकल बोर्ड में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष मेडिकल बोर्ड और दिव्यांगता जांच शिविर लगाने पर जोर दिया गया।

मेडिकल बोर्ड में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी होने पर निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं लेने पर भी सहमति बनी।

बैठक में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी (स्त्रक्र) से जुड़ी सरकारी सहायता पर चर्चा हुई। पात्र लोगों को समय पर लाभ देने और सहायता अनुदान की दरों को वर्तमान बाजार दर के अनुसार संशोधित करने पर विचार किया गया।

सरकारी अस्पतालों में ट्रांसजेंडर लोगों के लिए अलग ट्रांसजेंडर क्लीनिक या वार्ड की व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशामुक्ति केंद्रों के कामकाज की समीक्षा भी की गई। मानसिक स्वास्थ्य देखरेख अधिनियम, 2017 के अनुसार केंद्रों के पंजीयन और संचालन की प्रक्रिया को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

नशामुक्ति केंद्रों में इलाज करा रहे लोगों को दी जा रही दवाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग जरूरी दिशा-निर्देश जारी करेगा। केंद्रों के विस्तार और बेहतर संचालन पर भी चर्चा हुई।

इसके अलावा दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, भिक्षुक, ट्रांसजेंडर और नशे से पीड़ित लोगों के पुनर्वास के लिए संचालित सरकारी और अनुदान प्राप्त संस्थाओं में रहने वाले हितग्राहियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने पर भी सहमति बनी।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, समाज कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त-सह-संचालक संजीव झा, समाज कल्याण विभाग के संचालक रणवीर शर्मा समेत दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रायपुर में 2 सितंबर को रोजगार मेलाःप्राइवेट सेक्टर की 8 कंपनियां 877 पदों पर करेंगी भर्ती

रायपुर। रायपुर में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रोजगार का मौका है। जिला रोजगार-स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र की ओर से 2 सितंबर को रोजगार मेला लगाया जाएगा। मेला रोजगार कार्यालय, सिविल लाइन्स में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा।

मेले में निजी क्षेत्र की 8 कंपनियां 877 पदों के लिए भर्ती करेंगी। इनमें लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, परिश्रम ह्यूमन रिसोर्स, कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल, टीम स्किल्स, ग्लोबल एचआर सॉल्यूशन एंड जॉब कंसल्टेंट, इंडिया हेल्प पॉइंट, पुष्कल एग्रोटेक और एल्मेक इंडस्ट्रीज शामिल हैं।

10वीं से डिप्लोमा तक के युवा पात्र

अलग-अलग पदों के लिए 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई और डिप्लोमा पास युवा आवेदन कर सकते हैं। वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर और कृषि से जुड़ी योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों के लिए भी अवसर हैं। पद के अनुसार योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है।

ऑनलाइन आवेदन करना जरूरी

रोजगार मेले में शामिल होने के लिए **erojgar.cg.gov.in** पोर्टल या छत्तीसगढ़ रोजगार एप के जरिए ऑनलाइन आवेदन करना जरूरी है। इसके लिए रोजगार पंजीयन नंबर होना चाहिए। जिन युवाओं का पंजीयन नहीं है, वे पोर्टल या एप से अपना रोजगार पंजीयन करा सकते हैं।

ये दस्तावेज लेकर पहुंचें

अभ्यर्थियों को मेले में शैक्षणिक योग्यता से जुड़े दस्तावेज, रोजगार पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड, बायोडाटा की छायाप्रति और पासपोर्ट साइज फोटो साथ लानी होगी। उपलब्ध पदों की पूरी जानकारी रोजगार विभाग के पोर्टल पर देखी जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए 0771-4044081 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

अस्पताल में चीख-पुकार की जगह बना खुशनुमा माहौल

रायपुर/बालोद। प्रसव पीड़ा के चीख-पुकार भरे माहौल के बीच बालोद के एक निजी अस्पताल में अनोखा नजारा देखने को मिला। गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम लिमोरा (सिकोसा) निवासी प्रसिद्ध भरथरी लोक गायिका हेमलता पटेल (23) ने सिजेरियन प्रसव के दौरान दर्द और तनाव से निपटने के लिए लोकगीतों का सहारा लिया। ऑपरेशन थिएटर में कमर में एनेस्थीसिया लगने के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए भरथरी गीत गाना शुरू कर दिया, जिससे वहां का माहौल सकारात्मक और खुशनुमा हो गया। डॉक्टर प्रदीप साहू और उनकी मेडिकल टीम ने गीत के बीच सुरक्षित डिलीवरी कराई। फिलहाल जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। मंचों और सोशल मीडिया पर अपनी कला से पहचान बनाने वाली हेमलता का प्रसव के दौरान गाते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। डॉक्टर साहू ने बताया कि ऑपरेशन थिएटर में ऐसे मौके बेहद कम आते हैं जब कोई मरीज डर के माहौल को इतना सहज बना दे। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रसव में दर्द कम करने के लिए कमर में एनेस्थीसिया दिया जाता है, जिससे मरीज होश में रहकर सामान्य बातचीत कर सकता है। ऐसे में लोग मंत्र या चालीसा पढ़ते हैं, लेकिन हेमलता ने अपनी लोककला को तनाव दूर करने का जरिया बनाया।

IGKV ने जारी किया प्रोविजनल सीट अलॉटमेंटः 20 से 22 अगस्त तक दस्तावेजों की जांच, 24 अगस्त तक स्पॉट और कन्वर्शन काउंसलिंग का मौका

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सरकारी और निजी कृषि कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के क्लस्र कृषि (ऑनर्स) में एडमिशन के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत प्रोविजनल सीट और कॉलेज का अलॉटमेंट कर दिया गया है।

यह अलॉटमेंट **PAT** परीक्षा की मेरिट के आधार पर किया गया है। चयनित छात्रों के दस्तावेजों की जांच 20 से 22 अगस्त तक कृषि महाविद्यालय रायपुर में होगी। जांच का समय सुबह 8 बजे से शाम 5:30 बजे तक रहेगा।

अपनी प्रोविजनल सीट सुरक्षित रखने के लिए छात्रों को 20 से 23 अगस्त तक ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी।

सीट नहीं मिली तो स्पॉट और कन्वर्शन काउंसलिंग का मौका

काउंसलिंग समिति की अध्यक्ष और कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने बताया कि सीट अलॉट होने के बाद यदि कोई अभ्यर्थी सीट सुरक्षित नहीं कर पाता और आगे की काउंसलिंग में शामिल होना चाहता है तो उसे ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

जिन अभ्यर्थियों को अब तक कोई सीट अलॉट नहीं हुई है, वे भी स्पॉट और कन्वर्शन काउंसलिंग के लिए 20 से 24 अगस्त की रात 11:30 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

यदि कोई अभ्यर्थी सीट सुरक्षित करने के बाद उसे निरस्त करना चाहता है और आगे की किसी भी काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल नहीं होना चाहता, तो वह 20 से 24 अगस्त की रात 11:30 बजे तक सीट निरस्त कर सकता है। अलॉट की गई और खाली सीटों की जानकारी 25 अगस्त को जारी की जाएगी। स्पॉट और कन्वर्शन काउंसलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वाले अभ्यर्थियों की सूची भी इसी दिन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

स्पॉट काउंसलिंग के लिए प्रोविजनल सीट और कॉलेज का अलॉटमेंट 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच किया जाएगा। इस दौरान दस्तावेज जांच और ऑनलाइन फीस जमा करने के लिए अभ्यर्थियों को कृषि महाविद्यालय रायपुर में उपस्थित होना होगा।

वहीं, कन्वर्शन काउंसलिंग के लिए प्रोविजनल सीट और कॉलेज अलॉटमेंट, दस्तावेज जांच और फीस जमा करने की प्रक्रिया 2 सितंबर को कृषि महाविद्यालय रायपुर में होगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद नई व्यवस्थाः गुमशुदगी पर सिर्फ शिकायत नहीं FIR भी; 14 दिन में 16 केस दर्ज

रायपुर। महिला हो या पुरुष, बालिग हो या नाबालिग... किसी भी व्यक्ति के गुम होने की सूचना मिलने पर अब पुलिस सिर्फ गुम इंसान कायमी तक मामला सीमित नहीं रख सकेगी। एफआईआर दर्ज कर गुम व्यक्ति की तलाश के साथ जांच भी करनी होगी। जरूरत पड़ने पर चार्जशीट भी पेश की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने यह नई व्यवस्था लागू की है। प्रदेश में 14 दिनों में 60 से ज्यादा केस और रायपुर में 16 एफआईआर दर्ज हुई हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पहले गुम इंसान कायमी की जा रही है, इसके बाद केस दर्ज किया जा रहा है। दरअसल, नाबालिग के गायब होने पर अपहरण का केस दर्ज किया जाता है। अब बालिग के गायब होने पर भी संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया जा रहा है।

गुमशुदगी की एफआईआर के बाद विवेचना की कानूनी जिम्मेदारी पुलिस की होगी। पुलिस को यह भी पता लगाना होगा कि व्यक्ति किन परिस्थितियों में लापता हुआ और उसके साथ अपराध तो नहीं हुआ। जांच में सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, लेनदेन और सोशल मीडिया गतिविधियों की जांच की जा सकेगी। संदिग्ध लोगों से पूछताछ और संभावित ठिकानों की तलाश भी इसका हिस्सा होगी।

पुरानी प्रक्रिया बदली

पुलिस कमिश्नरी में भी गुमशुदगी के मामलों को केवल मिसिंग पर्सन रिपोर्ट तक सीमित रखने की पुरानी प्रक्रिया बदली गई है। डीडी नगर, कोतवाली, राजेंद्र नगर समेत कई थानों में एक-एक मामले में धारा 140(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

विपिन अग्रवाल, अधिवक्ता सजा के साथ जुर्माना भी नाबालिगों के लापता होने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया जाता है। बीएनएस की धारा 137 में अपहरण से संबंधित प्रावधान हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों के बाद गुमशुदगी के मामलों में धारा 140(3) के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज की जा रही है। इस अपराध में 7 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।

छत्तीसगढ़ की पहली ओपन जेल के रूल्स तैयारः10 साल से ज्यादा की सजा जरूरी, रेप-मर्डर वालों को मौका नहीं; गलती पर दोबारा नॉर्मल जेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार ओपन जेल (खुली जेल) की स्थापना होने जा रही है। जेल बेमेतरा जिले के ग्राम पथर्रा में लगभग तैयार है। इस जेल की क्षमता 200 कैदियों की होगी। यहां केवल अच्छे आचरण वाले और कम सुरक्षा जोखिम वाले सजायाफ्ता कैदियों को रखा जाएगा।

जेल डीजी हिमांशु गुप्ता ने बताया सरकार ने जेलों में बंद कैदियों के सुधार, अच्छे व्यवहार और रिहाई के बाद सामान्य जीवन में लौटने की तैयारी के लिए छत्तीसगढ़ ओपन जेल (ऑपरेशन एंड मैनेजमेंट) रूल्स बना दिए गए हैं। ओपन जेल ऐसी जेल व्यवस्था है, जिसमें योग्य कैदियों को अपेक्षाकृत खुला माहौल दिया जाता है। यहां कैदियों को खेती, पशुपालन, जेल उद्योग और दूसरे रोजगार से जुड़े कामों में लगाया जाएगा।

इसका मकसद सिर्फ सजा काटना नहीं, बल्कि कैदी को काम, अनुशासन और जिम्मेदारी के जरिए समाज में वापस लौटने के लिए तैयार करना है।

नियमों के अनुसार कई गंभीर अपराधों में सजा काट रहे कैदियों को ओपन जेल में रखने की अनुमति नहीं होगी। इनमें रेप, यौन अपराध, अपहरण, डकैती, लूट,

गंभीर चोरी और हत्या से जुड़े गंभीर अपराध शामिल हैं। इसके अलावा राजद्रोह या राज्य के खिलाफ अपराध, सेना, नौसेना और वायुसेना से जुड़े अपराधों में दोषी कैदी भी इसके लिए पात्र नहीं होंगे। ओपन जेल में जाने के लिए कैदी को खुद आवेदन करना होगा। वह आवेदन अपनी जेल के सुपरिंटेंडेंट को देगा। इसके अलावा जेल सुपरिंटेंडेंट भी पात्र कैदियों के मामले ओपन जेल के लिए भेज सकते हैं। हर तीन महीने में पात्र कैदियों की नाम और रिकॉर्ड वाली सूची ओपन जेल के सुपरिंटेंडेंट को भेजी जाएगी।

ओपन जेल के सुपरिंटेंडेंट जांच के बाद अपनी सिफारिश डीजी जेल एवं करेक्शनल सर्विसेज को भेजेंगे। इसके बाद एक कमेटी फैसला करेगी।

ओपन जेल में कैदियों के पुनर्वास के लिए रोजगार से जुड़ी गतिविधियां कराई जाएंगी। इनमें मुख्य रूप से जेल इंडस्ट्री, खेती, पशुपालन और दूसरे रोजगार आधारित काम शामिल होंगे।

इन गतिविधियों से होने वाली आय राज्य सरकार के खाते में जमा की जाएगी। वहीं कैदियों के पुनर्वास और रोजगार संबंधी गतिविधियों के लिए विभागीय बजट से फंड दिया जाएगा।

ओपन जेल जाने के बाद कैदी को वापस सामान्य जेल भेजा जा सकता है। अगर ओपन जेल में रहने के दौरान कैदी कोई जेल अपराध करता है, तो उसके खिलाफ रिपोर्ट डीजी को भेजी जाएगी। डीजी के आदेश पर उसे वापस उसकी पुरानी जेल या किसी दूसरी जेल में भेजा जा सकता है।

कैदी खुद भी आवेदन देकर वापस अपनी पुरानी जेल जाने की इच्छा जाहिर कर सकता है। अगर कोई कैदी मेडिकल कारणों से काम करने में सक्षम नहीं रहता है, तो जेल मेडिकल अफसर की रिपोर्ट के आधार पर उसे वापस सामान्य जेल भेजा जा सकता है।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY
BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज कामकाज में भागदौड़ अधिक रह सकती है, लेकिन सहकर्मियों का सहयोग मिलने से जिम्मेदारियां समय पर पूरी होंगी। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण योजना को लेकर व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से कोई निर्णय न लें और बड़े निवेश से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की जरूरत होगी।

वृषभ। आज पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। किसी पूर्व निवेश या बचत योजना से अपेक्षित फायदा प्राप्त हो सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हालांकि लाभ मिलने के साथ भविष्य की योजनाओं के लिए धन का सही प्रबंधन करना जरूरी रहेगा। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें और अनियमित दिनचर्या से बचें। जीवनसाथी के साथ चल रहे वैचारिक मतभेद बातचीत से दूर हो सकते हैं।

मिथुन। आज व्यापार में नए अनुबंध मिलने के योग बन रहे हैं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से बातचीत आपके कारोबार के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। मित्रों की मदद से लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे और मन में उत्साह बढ़ेगा। यात्रा के भी योग बन रहे हैं, जो कामकाज से जुड़ी या निजी कारणों से हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क। आज परिवार में किसी मांगलिक कार्य की रूपरेखा बन सकती है। घर में शुभ समाचार मिलने से वातावरण प्रसन्न और सकारात्मक रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से प्रभावित हो सकते हैं। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहेगा, लेकिन नई योजना शुरू करने से पहले पर्याप्त जानकारी जुटाना जरूरी होगा।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास भरपूर रहेगा और कार्यक्षेत्र में इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। लोग आपकी बातों और कार्यशैली से प्रभावित होंगे। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में बड़ा निर्णय लेने की स्थिति बन सकती है, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा।

कन्या। आज खर्चों की अधिकता रह सकती है, इसलिए बजट बनाकर चलना आपके लिए लाभकारी रहेगा। अचानक किसी जरूरी काम पर धन खर्च हो सकता है। कार्यक्षेत्र में विरोधी शांत रहेंगे और आपके काम में बाधा डालने की उनकी कोशिश सफल नहीं होगी। कोर्ट-कचहरी या कानूनी मामलों में राहत मिलने की संभावना है। व्यापारियों को पुराने विवादों का समाधान मिल सकता है।

तुला। आज कला और संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सफलता मिलने के अच्छे संकेत हैं। आपकी रचनात्मक प्रतिभा को पहचान मिल सकती है और किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में अवसर प्राप्त होगा। धन लाभ के नए स्रोत बन सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ आय बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। व्यापार में नए ग्राहकों से संपर्क लाभकारी रहेगा।

वृश्चिक। आज मानसिक शांति बनी रहेगी और आप महत्वपूर्ण कामों पर बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है। जमीन, मकान या किसी पुराने संपत्ति विवाद से संबंधित सकारात्मक समाचार मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से संतुष्ट रहेंगे। व्यापारियों को किसी पुराने सौदे से फायदा हो सकता है।

धनु। आज आपकी राशि में चंद्रमा का गोचर उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाएगा। आप नई ऊर्जा के साथ अपने काम पूरे करने की कोशिश करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से प्रभावित हो सकते हैं। नए अवसर सामने आ सकते हैं, इसलिए उन्हें समझदारी से स्वीकार करें। व्यापारियों को किसी नए ग्राहक या साझेदारी से फायदा मिल सकता है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, लेकिन भविष्य की योजनाओं के लिए बचत पर ध्यान दें।

मकर। आज लंबी दूरी की यात्रा से लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। यात्रा कामकाज, व्यापार या किसी निजी उद्देश्य से हो सकती है और इससे नए संपर्क भी बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए उपयोगी साबित होगी। वाणी पर संयम रखना जरूरी है, क्योंकि आपकी कही कोई बात गलत समझी जा सकती है। व्यापार में सोच-समझकर निर्णय लें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और आय के साथ खर्चों का संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

कुंभ। आज आय के साधनों में वृद्धि होने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ आर्थिक लाभ मिल सकता है। व्यापार में नए ग्राहक और नए अवसर सामने आएंगे, जिससे कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा और वे कठिन विषयों को समझने में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा। किसी घरेलू कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है।

मीन। आज भाग्य का पूरा साथ मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे महत्वपूर्ण कामों को सही दिशा में आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है और आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापार में पुराने संपर्कों से लाभ मिलने के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन किसी भी बड़े निवेश से पहले पर्याप्त जानकारी जरूर जुटाएं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है; मेहनत करने पर बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

रांची में JSSC-CGL के सफल अभ्यर्थियों का धरना जारी

छात्र आंदोलन 60 दिनों के लिए स्थगित, सरकार के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका

रांची। सीजीएल नियुक्ति रद्द होने से नौकरी से हटाए गए अधिकारी गुरुवार को भी प्रोजेक्ट भवन के सामने धरने पर बैठे हैं। उन्होंने बुधवार की शाम प्रोजेक्ट भवन से हटिया चौक तक आक्रोश मार्च निकाला। ये लोग शाम 6:10 बजे प्रोजेक्ट भवन के सामने एकत्र हुए, राष्ट्रगान गाया।

फिर पैदल मार्च करते हुए चांदनी चौक होते हुए हटिया चौक पहुंचे। ये लोग मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर सरकार से इंसाफ मांग रहे थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें हटिया चौक पर रोक दिया। प्रदर्शनकारी वही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। कुछ देर बाद राष्ट्रगान गाकर ये सभी प्रोजेक्ट भवन लौट गए।

नौकरी से हटाए गए अधिकारियों ने बुधवार की शाम प्रोजेक्ट भवन से हटिया चौक तक आक्रोश मार्च निकाला।

नौकरी से हटाए गए अधिकारियों ने बुधवार की शाम प्रोजेक्ट भवन से हटिया चौक तक आक्रोश मार्च निकाला।

उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और आंदोलन करना सभी का अधिकार है। सरकार ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ कभी सख्ती नहीं बरती।

अब जेएसएससी-सीजीएल के सफल अभ्यर्थी भी धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार का रवैया उनके प्रति भी पहले जैसा ही रहेगा। उनके खिलाफ भी कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सरकार का मानना है कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार अक्षुण्ण रहना चाहिए। सीजीएल के सफल अभ्यर्थियों की बात भी सरकार सुनेगी। जो उचित निर्णय होगा, सरकार वही लेगी।

छात्रों की 5 मांगें, सरकार को 2 माह का अल्टीमेटम

इधर, छात्रों ने सरकार के सामने पांच प्रमुख मांगें रखते हुए उन्हें पूरा करने के लिए दो माह का अल्टीमेटम दिया है। इसके साथ जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहा छात्रों का आंदोलन समाप्त हो गया है। सरकार के सामने रखी मांगों में छात्रों ने उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा के फिजिकल टेस्ट के दौरान मृत अभ्यर्थियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की है।

इसके साथ ही विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों पर दर्ज किए गए केस वापस लेने की मांग भी रखी है। छात्रों का कहना है कि परीक्षा सुधार को लेकर अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में गठित कमेटी में छात्र प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए, ताकि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और सुधार सुनिश्चित हो सके।

छात्रों ने जेएसएससी पीजीटी, नगर पालिका, माध्यमिक आचार्य, लैब असिस्टेंट और एक्साइज कांस्टेबल भर्ती परीक्षाओं को भी रद्द कर नए सिरे से परीक्षा कराने की मांग की है। इसके अलावा सीआईडी जांच के मामले में सरकार से जल्द याचिका दायर कर कोर्ट में मजबूती से पक्ष रखने की मांग की गई है। छात्रों ने चेतावनी दी कि दो माह में मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

पद्मश्री मधु मंसूरी ने तुड़वाया अनशन

वहीं, पद्मश्री मधु मंसूरी ने अपने हाथों जूस पिलाकर भूख हड़ताल पर बैठे जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के रूपेश पाल, राहुल क्रांति और सबीता का अनशन तुड़वाया।

पीएचडी का नियम बदला शिक्षा नीति के अनुरूप नया रेगुलेशन:4 साल की यूजी डिग्री में 75 प्रतिशत, रांची यूनिवर्सिटी में पीएचडी में मिलेगा एडमिशन

रांची। रांची विश्वविद्यालय में करीब डेढ़ दशक से चल रही पीएचडी की पुरानी व्यवस्था अब बदल गई है। अब तक यूजीसी के 2009 के रेगुलेशन के आधार पर पीएचडी की प्रक्रिया चल रही थी। नई शिक्षा नीति-2020 और यूजीसी के 2022 के प्रावधानों के अनुरूप लंबे समय से नए नियम बनाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब यह कवायद पूरी हो गई है। कुलपति प्रो. सरोज शर्मा की पहल पर नया पीएचडी रेगुलेशन तैयार किया गया है। रिसर्च डायरेक्टर एम. परवेज हसन की मॉनिटरिंग में तैयार इस रेगुलेशन को विवि प्रशासन ने मंगलवार को अधिसूचित कर दिया।

नए नियमों में सबसे बड़ा बदलाव चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए है। स्नातक ऑनर्स विद रिसर्च करने वाले विद्यार्थी

75% अंक अथवा निर्धारित समकक्ष सीजीपीए हासिल करने पर सीधे पीएचडी के लिए योग्य होंगे। यानी ऐसे विद्यार्थियों को पहले पारंपरिक दो वर्षीय पीजी करने की जरूरत नहीं होगी। वहीं मास्टर डिग्री या एमफिल वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% अंक की पात्रता रखी गई है। निर्धारित आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को पात्रता अंक में 5% की छूट मिलेगी। नेट-जेआरएफ क्वालिफाई अभ्यर्थियों को परीक्षा से छूट: राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षा पास कर चुके अभ्यर्थियों को पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में राहत दी गई है। यूजीसी नेट, सीएसआईआर नेट, गेट, गीट पात्रता रखने वाले अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा से छूट और इंटरव्यू आधारित चयन का प्रावधान है। जो अभ्यर्थी विवि की प्रवेश परीक्षा देंगे, उनके प्रश्नपत्र में 50% सवाल रिसर्च मेथडोलॉजी और 50% संबंधित विषय से होंगे। परीक्षा-इंटरव्यू के लिए 70:30 का वेटेज है। 12 क्रेडिट का कोर्स वर्क जरूरी: पीएचडी में प्रवेश के बाद शोधार्थी को 12 क्रेडिट का कोर्स वर्क पूरा करना होगा। इसमें शोध पद्धति और शोध से जुड़े अकादमिक मानकों की जानकारी दी जाएगी। कोर्स वर्क में निर्धारित न्यूनतम अंक हासिल करना भी जरूरी होगा। 3 साल से पहले पूरी नहीं होगी पीएचडी: नए नियमों में पीएचडी की न्यूनतम अवधि 36 महीने यानी 3 वर्ष और अधिकतम अवधि 72 महीने यानी 6 वर्ष तय की गई है। री-रजिस्ट्रेशन के प्रावधान के तहत 8 वर्ष तक शोध पूरा करने का अवसर मिल सकता है। महिला शोधार्थियों और 40% से अधिक दिव्यांगता वाले शोधार्थियों को अतिरिक्त दो वर्ष की छूट मिलेगी। महिला शोधार्थियों के लिए 240 दिन तक मातृत्व/चाइल्ड केयर लीव का भी प्रावधान है।

आज पलामू प्रमंडल में भारी बारिश की चेतावनी:3 सिस्टम सक्रिय, इसलिए बारिश हो रही, प्रदेश में अब भी 18 % कम बारिश

रांची। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम एक्टिव है, इसलिए बीते 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। राजधानी रांची सहित लगभग पूरे झारखंड में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को मानसून के प्रवेश के करीब दो माह बाद पहली बार राज्य के छह जिलों में अब तक की बारिश का कोटा पूरा हो गया।

लगातार बारिश से कोल्हान और मध्य झारखंड के कई इलाके तरबतर हो गए हैं। रांची और दुमका में अब तक सामान्य से 1% अधिक बारिश दर्ज की गई है। खूंटी और सरायकेला-खरसावां में सामान्य से 10%, सिमडेगा में 7% और चाईबासा में 49% अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है।

बारिश की कमी 18% से घटकर 12% हुई

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक राज्य में 689.8 मिमी सामान्य बारिश होनी चाहिए थी, जबकि 606 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई है। इस तरह बारिश की कमी अब 18% से घटकर 12% रह गई है। हालांकि, राज्य के 10 जिले ऐसे हैं, जहां अब भी सामान्य से 20% से अधिक बारिश की कमी बनी हुई है।

आरटीई: 35 स्कूलों में 89 बच्चों का चयन:25% आरक्षित सीटों पर नामांकन के लिए दूसरे चरण की लॉटरी पूरी

रांची। निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर नामांकन के लिए बुधवार को दूसरे चरण की ऑनलाइन लॉटरी हुई। समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में डीडीसी संजय कुमार भगत की अध्यक्षता में लॉटरी प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें 224 पात्र आवेदनों में से 35 निजी स्कूलों की 183 उपलब्ध सीटों के लिए चयन किया गया। ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 89 बच्चों का चयन हुआ।

चयनित बच्चों का संबंधित स्कूलों में एक सप्ताह के भीतर निःशुल्क नामांकन कराया जाएगा। इन बच्चों को कक्षा

आठवीं तक मुफ्त शिक्षा मिलेगी। लॉटरी के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, सहायक जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी रीमा कुजूर समेत शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सत्र 2026-27 के लिए आरटीई के दोनों चरणों में अब तक कुल 722 सीटों पर नामांकन सुनिश्चित किया जा चुका है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में आरटीई के तहत जिले के 116 निजी स्कूलों की 1147 आरक्षित सीटों पर नामांकन प्रक्रिया चल रही है। पहले चरण में 555 बच्चों का नामांकन हुआ था। कुछ आवेदन स्कूल के लॉगिन में वापस भेजे गए थे। पहले चरण के बाद 592 सीटें खाली रह गई थीं। इन्हीं रिक्त सीटों के लिए दूसरे चरण की ऑनलाइन लॉटरी कराई गई।

न्यू मोरहाबादी में सुबह 10 से 4 बजे पावर कट: आज रांची के कई क्षेत्रों में 3-6 घंटे तक नहीं रहेगी बिजली

रांची। रांची के कई इलाकों में गुरुवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। टाटीसिलवे-हेसल फीडर से टाटी बस्ती, मिश्राटोली, मासू, हेसल, मिलन चौक, संजीवनी कॉलोनी, गेल इंडिया, उलातु, बहाया, जमुआरी, मनकीधिपा, मंझलाटोली, टाटी भागलपुर आदि में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक बिजली बंद रहेगी। बड़गाईं फीडर से टीवीएस शोरूम, विश्वकर्मा कॉलोनी और बड़गाईं में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। न्यू मोरहाबादी फीडर के पार्क/प्राइम होटल के पास, गली नंबर 1, 2, 3 और 5 में 10 से 4 बजे तक बिजली नहीं रहेगी।

इसी तरह आरके मिशन फीडर के विशाल मेगा मार्ट, बरियातू और पावर हाउस फीडर के लालपुर

मौलाना आजाद कॉलोनी की गली नंबर 10, 11 व 12 में 10 से 4 बजे तक कटौती होगी। कृष्णापुरी और राम मंदिर फीडर में क्रमशः 10 से 4:30 बजे तक बिजली बाधित रहेगी। अयोध्यापुरी फीडर में 11 केवी लाइन सुबह 10 से 11 बजे और एलटी लाइन/ट्रांसफार्मर सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बंद रहेगा।

ओरमांझी-1 फीडर के हरचंदा, टोयोटा व बीएमडब्ल्यू एजेंसी, पंचरत्न और इरबा आई हॉस्पिटल में 10:30 से दोपहर 3 बजे तक तथा न्यू शाहदेव नगर के कटहल मोड़ में सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

5	3			7				
6			1	9	5			
	9	8					6	
8				6				3
4			8		3			1
7				2				6
	6					2	8	
			4	1	9			5
				8			7	9

पिछले अंक का उत्तर

7	9	5	3	2	8	4	6	1
8	6	4	9	7	1	3	2	5
2	3	1	5	4	6	9	7	8
1	2	3	7	5	4	6	8	9
6	4	9	8	1	3	7	5	2
5	7	8	6	9	2	1	4	3
4	8	7	2	3	9	5	1	6
3	1	2	4	6	5	8	9	7
9	5	6	1	8	7	2	3	4

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

एचईसी का पुनरुद्धार करने 6 सदस्यीय संसदीय समिति रांची पहुंची

रांची। वित्तीय संकट से जूझ रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एचईसी के पुनरुद्धार (रिवाइवल) की कवायद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। मामले को लेकर सांसद तिरुचि शिवा की अध्यक्षता में केंद्रीय संसदीय समिति की छह सदस्यीय टीम बुधवार को रांची पहुंची। टीम में सांसद मल्लू रवि, चंदन चौहान, सुलता देव और हंसमुख भाई पटेल शामिल हैं। एचईसी के सीएमडी केएस मूर्ति भी बुधवार दोपहर रांची पहुंच गए। गुरुवार को समिति एचईसी प्रबंधन के साथ बैठक कर कंपनी की वित्तीय और उत्पादन स्थिति की समीक्षा करेगी। इस दौरान करीब 500 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुखता से उठाई जाएगी। संसदीय समिति के एचईसी मुख्यालय पहुंचने पर सुबह उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके बाद टीम एफएफपी, एचएमबीपी और एचएमटीपी प्लांटों का निरीक्षण करेगी तथा विभिन्न शॉप्स में जाकर मशीनरी, उत्पादन क्षमता और कर्मचारियों के हालात का जायजा लेगी।

IND vs PAK: रोमांचक मुक़ाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराया वर्ल्ड कप से बाहर किया, दूसरे राउंड में पहुंची टीम इंडिया

पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 के पूल-डी का आखिरी मुकाबला बुधवार को नीदरलैंड्स के एम्स्टेलवीन में वैगनर स्टेडियम में खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत अगले राउंड में पहुंच गया है। वहीं पाकिस्तान का सफर इस विश्व कप में खत्म हो गया है।

भारत ने शुरू से पकड़ बनाए रखी

भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा।

दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा।

इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया।

पाकिस्तान को नहीं करने दी बराबरी

इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

मेंस हॉकी वर्ल्डकप 2026
(पूल-D पॉइंट्स टेबल)

टीम	मैच	जीत	ड्रॉ	हार	अंक
इंग्लैंड	3	3	0	0	9
भारत	3	2	0	1	6
पाकिस्तान	3	0	1	2	1
वेल्स	3	0	1	2	1

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 500 अंक से ज्यादा की बढ़त, 77,400 के पार कारोबार; निफ्टी भी 100 अंक चढ़ा

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 20 अगस्त को जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की बढ़त के साथ 77,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक से अधिक की तेजी है और यह 24,200 के करीब पहुंच गया है। बाजार में ढ्रझ और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिल रही है। निवेशकों की खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों को मजबूती मिली है और बाजार का माहौल सकारात्मक नजर आ रहा है।

भारतीय बाजार के साथ एशियाई बाजारों में भी आज मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 382 अंक यानी 5.71% की तेजी के साथ 6,853 पर पहुंच गया। जापान का निक्केई 656 अंक यानी 1% चढ़कर 65,982 पर कारोबार कर रहा है। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 216 अंक यानी 0.85% की बढ़त के साथ 25,711 पर रहा।

अमेरिकी बाजारों में भी बढ़त

19 अगस्त को अमेरिकी बाजारों में भी तेजी रही। डाउ जोन्स 120 अंक यानी 0.22% चढ़कर 53,463 पर बंद हुआ। नैस्डैक में 41 अंक यानी 0.16% की बढ़त रही और यह 26,331 पर पहुंचा। **S&P** 500 भी 16 अंक यानी 0.21% बढ़कर 7,708 पर बंद हुआ।

घरेलू निवेशकों की खरीदारी जारी

घरेलू निवेशकों का बाजार में भरोसा बना हुआ है। बीते सात दिनों में **DII** ने 12,011 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। वहीं पिछले 30 दिनों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी 42,078 करोड़ रुपए रही। **FII/FPI** ने बीते सात दिनों में 33 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की है।

चांदी 9,260 बढ़कर 2.38 लाख पर पहुंची: 10 ग्राम सोने का दाम 3,519 बढ़कर 1.57 लाख हुआ

सोने-चांदी की कीमतें 20 अगस्त को बढ़ गई हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 9,260 रुपए बढ़कर 2.38 लाख रुपए पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,519 रुपए बढ़कर 1.57 लाख रुपए हो गया है।

इस महीने यानी अगस्त में 20 दिन में सोना 15 हजार और चांदी 20 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 24 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10ग्र सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.57 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.38 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

आगे मुश्किल हालात में भी सोने में तेजी बनी रहेगी। यदि हालात सुधरे तो चांदी में भी उछाल दिख सकता है। अभी जो भावी हालात नजर आ रहे हैं, उसके मुताबिक दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। चांदी की कीमत भी 3 लाख रुपए तक जा सकती है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	₹1,57,387
22	₹1,44,166
18	₹1,18,040
14	₹92,071

देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत

शहर	10 ग्राम 24 कैरेट
दिल्ली	₹1,59,420
मुंबई	₹1,59,270
कोलकाता	₹1,59,270
जयपुर	₹1,59,420
भोपाल	₹1,59,320
पटना	₹1,59,320
लखनऊ	₹1,59,420
रायपुर	₹1,59,270
अहमदाबाद	₹1,59,320

सोर्स: goodreturns 20 अगस्त 2026

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

पाकिस्तान लीड्स टेस्ट के पहले ही दिन बैकफुट पर: 171 रन पर ऑलआउट, 6 बैटर्स डबल डिजिट नहीं पहुंचे

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट के पहले ही दिन बैकफुट पर है। उसने पहली पारी में 171 रन बनाए।

बुधवार को दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली में 2 विकेट पर 112 रन बना लिए हैं। कप्तान जो रूट 37 और जॉर्डन कॉक्स 23 रन पर नाबाद लौटे हैं।

ओपनर बेन डकेट ने 15 और इमिलिओ गै ने 33 रन बनाए। मोहम्मद अब्बस और मोहम्मद अली को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान ने पहली बार पर विकेट गंवाया

पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहली ही बॉल पर विकेट गंवा दिया। जब ऑली रॉबिन्सन ने फुलर लेंथ की बॉल पर अजान अवैस को जीरो पर **LBW** कर दिया।

उनकी जगह बैटिंग करने उतरे कप्तान शान मसूद भी 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें भी रॉबिन्सन ने पगबाधा कराया।

लंच ब्रेक तक पाकिस्तान का स्कोर 23/2 रहा। हालांकि, बारिश के कारण काफी देर तक खेल को रोकना पड़ा था।

बारिश के कारण लौटी पाकिस्तानी टीम की ओर से अब्दुल्लाह शफीक ने फिफ्टी लगाई। जबकि, ओपनर इमाम उल हक ने 42 रन जोड़े। दोनों ने 91 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को ऑली रॉबिन्सन ने तोड़ा। उन्होंने शफीक को बोल्ड किया।

शफीक के आउट होने के बाद टीम की हालत और खराब हो गई। उसने टी-ब्रेक होने तक 150 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे। पहले दिन के दूसरे सेशन में पाकिस्तानी टीम ने 127 रन बनाने में 5 विकेट गंवाए।

आखिरी सेशन में टीम को ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा। ऑली रॉबिन्सन और जोश टंग ने 5-5 विकेट झटके।

वेस्ली सो सिंकफील्ड कप चैंपियन: प्रज्ञानानंदा बराबर अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे; तान झोंगयी ने दूसरा केर्न्स कप जीता

सेंट लुइस में खेले गए 2026 सिंकफील्ड कप का खिताब अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने जीत लिया।

क्लासिकल मुकाबलों के बाद सो और भारत के आर प्रज्ञानानंदा बराबरी पर रहे। विजेता के लिए दो रैपिड प्लेऑफ बाजियां खेली गईं, लेकिन दोनों ड्रॉ रहीं। इसके बाद आर्मगेडन में भी मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन काले मोहरों से खेलने के कारण सो को विजेता घोषित किया गया। यह उनका तीसरा सिंकफील्ड कप खिताब है। सो को 87,500 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

क्लासिकल के बाद रैपिड प्लेऑफ में भी फैसला नहीं

सिंकफील्ड कप के क्लासिकल फॉर्मेट में सो और प्रज्ञानानंदा बराबर रहे। इसके बाद चैंपियन तय करने के लिए रैपिड प्लेऑफ कराया गया। दोनों रैपिड बाजियां ड्रॉ रहने के बाद मुकाबला आर्मगेडन तक पहुंचा।

सुथार के 10 विकेट से भारत 165 रन से जीता: श्रीलंका के आखिरी 4 विकेट 10 गेंद में गिरे; पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच

भारत ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का टारगेट मिला था, लेकिन टीम दूसरी पारी में 206 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारत की जीत के हीरो 24 साल के स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। दूसरी पारी में 55 रन देकर 6 विकेट लेने वाले सुथार ने श्रीलंका के आखिरी चार विकेट सिर्फ 10 गेंद में लेकर भारत को जीत दिलाई। देवदत्त पडिक्कल को उनकी 167 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सुथार ने पहली पारी में 76 रन देकर 4 विकेट लिए। दूसरी पारी में उन्होंने 6 विकेट झटके। श्रीलंका की दूसरी पारी के आखिरी में सुथार ने दो ओवर में 4 विकेट लेकर मैच पलट दिया।

सुथार ने 75वें ओवर की पहली गेंद पर सोनल दिनुषा को 84 रन पर आउट किया। अगली ही गेंद पर प्रभात जयसूर्या को बोल्ड कर दिया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर लाहिरू कुमारा को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराकर सुथार ने दूसरी पारी में अपना पांचवां विकेट लिया। इसके बाद अगले ओवर में केशरा नुवानथा को बोल्ड कर उन्होंने मैच में अपना 10वां विकेट लिया।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बारिश और खराब मौसम के कारण मैच में रुकावटें आईं, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा किया।

देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। उनके अलावा केएल राहुल ने 82 रन और ध्रुव जुरेल ने 51 रन बनाए। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने 4 विकेट लिए।

श्रीलंका की पहली पारी: दिनूषा का शतक, सुथार-जडेजा ने 284 पर रोका

भारत के 462 रन के जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। टीम के लिए सोनल दिनूषा ने 100 रन की पारी खेली, जबकि निरोशन डिकवेला ने 80 रन बनाए।

सिंसिनाटी ओपन में उलटफेर, ज्वेरेव चौथे राउंड में बाहर: टॉमी पॉल ने मैच पॉइंट बचाकर हराया; स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में

सिंसिनाटी ओपन में अमेरिका के टॉमी पॉल ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी और 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को चौथे दौर में हरा दिया। बारिश से प्रभावित मुकाबले में पॉल ने एक मैच प्वाइंट बचाते हुए ज्वेरेव को 4-6, 7-6 (6), 6-4 से हराया।

इसके साथ ही वे पहली बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। महिला वर्ग में डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक ने फ्रांस की डियान पैरी को 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

बारिश के कारण करीब 90 मिनट रुका मैच

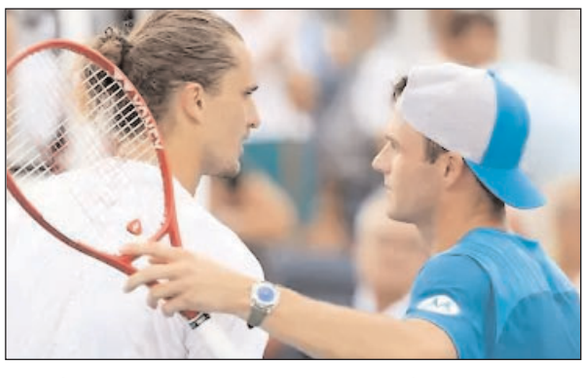

ज्वेरेव और पॉल का मुकाबला दूसरे सेट में बारिश के कारण करीब 90 मिनट तक रुका। इसके बाद कोर्ट तैयार करने के लिए भी छोटे ब्रेक लिए गए। मैच दोबारा शुरू होने पर पॉल ने वापसी की और दूसरे सेट का टाई-ब्रेकर जीतकर मुकाबला निर्णायक सेट में पहुंचाया।

मैच पॉइंट बचाकर जीता दूसरा सेट

पहला सेट ज्वेरेव ने 6-4 से जीता। दूसरे सेट में पॉल ने कड़ा संघर्ष किया और टाई-ब्रेकर में ज्वेरेव का मैच प्वाइंट बचाकर सेट 7-6 (6) से अपने नाम किया। निर्णायक सेट में ज्वेरेव 4-2 से आगे थे, लेकिन पॉल ने लगातार चार गेम जीतकर 6-4 से सेट और मैच अपने नाम कर लिया।

ज्वेरेव ने मैच में 14 एस लगाए, लेकिन 9 डबल फॉल्ट भी किए। पॉल ने घरेलू दर्शकों के सामने यह जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वे पहली बार सिंसिनाटी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे।

क्वार्टर फाइनल में कोबोली से मुकाबला

टॉमी पॉल का अगला मुकाबला इटली के फ्लेवियो कोबोली से होगा। कोबोली ने स्पेन के राफेल जोदार को 4-6, 7-6 (3), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जोकोविच को हराने वाले टिरेंटे भी अंतिम-8 में

अर्जेंटीना के थियागो टिरेंटे ने जैकब मेन्सिक को 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर अपने करियर के पहले **ATP** मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। टिरेंटे ने इससे पहले दूसरे दौर में नोवाक जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

स्वियातेक की लगातार नौवीं जीत

महिला सिंगल्स में नंबर-7 सीड और डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक ने डियान पैरी को 6-3, 6-3 से हराया। यह उनकी लगातार नौवीं जीत है। इसके साथ ही स्वियातेक **WTA** 1000 टूर्नामेंट में 30वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं।

क्वार्टर फाइनल में रायबकिना से भिड़ेंगी

स्वियातेक का क्वार्टर फाइनल में सामना एलेना रिबाकिना से होगा। दोनों के बीच पिछले हफ्ते टोरंटो के फाइनल में भी मुकाबला हुआ था, जहां स्वियातेक ने जीत दर्ज की थी। स्वियातेक ने टोरंटो खिताब जीतने के बाद सिंसिनाटी में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है।

आजीविका से जोड़ना आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : मंत्री केदार

रायपुर। आजीविका से जोड़ना आर्थिक सशक्तिकरण की मुख्य धुरी है। इससे व्यक्तियों और परिवारों को नियमित आय मिलती है, गरीबी कम होती है और समाज में उनका आत्मसम्मान बढ़ता है। यह कदम देश के समग्र विकास और आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने कोरबा प्रवास के दौरान यह बात कहा है कि वन केवल पर्यावरण संरक्षण का आधार नहीं, बल्कि वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आजीविका का भी महत्वपूर्ण साधन हैं।

मंत्री कश्यप ने कहा कि वन संसाधनों का संरक्षण करते हुए उनका स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन किया जाए, तो महिलाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मानव-हाथी द्वंद्व की रोकथाम में वन विभाग के साथ स्थानीय समुदाय की भागीदारी और समय पर सूचना व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण है।

डोंगानाला में वनौषधि प्रसंस्करण केंद्र का अवलोकन

वन मंत्री कश्यप अपने कोरबा प्रवास के दौरान पाली विकासखंड के ग्राम डोंगानाला स्थित वनौषधि प्रसंस्करण केंद्र पहुंचे। उन्होंने यहां हरि बोल स्व-सहायता समूह की महिलाओं से आत्मीय संवाद किया और वनौषधियों के संग्रहण, प्रसंस्करण तथा उनसे तैयार किए जा रहे उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने समूह द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन कर महिलाओं के प्रयासों की सराहना की।

वनौषधियों से मजबूत हो रही महिलाओं की आजीविका

कश्यप ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वनौषधियों और अन्य वन उत्पादों का उचित प्रसंस्करण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है। इससे वन आधारित उत्पादों को बेहतर मूल्य मिलेगा और स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों को वन आधारित आजीविका से जोड़ना आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं की मेहनत, स्थानीय संसाधनों का ज्ञान और समूह के रूप में काम करने की क्षमता को उचित सहयोग मिले, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की नई मिसालें तैयार की जा सकती हैं।

चोटिया में हाथी नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण

वन मंत्री कश्यप ने पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के चोटिया स्थित हाथी नियंत्रण केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हाथी मित्र दल के सदस्यों से क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियों, ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी आवाजाही और मानव-हाथी द्वंद्व की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हाथी मित्र दल को मोटरसाइकिल और सुरक्षा किट प्रदान की। इससे वन क्षेत्रों में निगरानी, गश्त और हाथियों की गतिविधियों की समय पर सूचना देने की व्यवस्था को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। वन मंत्री कश्यप ने आमजनों का अवगत कराया कि मानव-हाथी द्वंद्व की रोकथाम केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए वन विभाग, स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, वन प्रबंधन समितियों और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

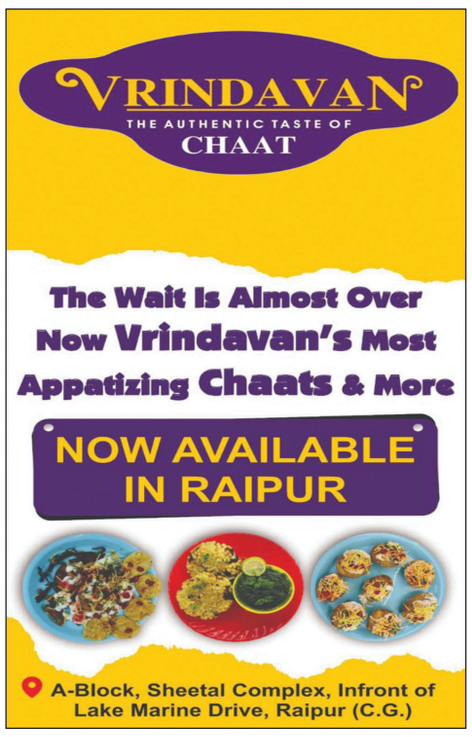

धान-चावल से सजी राखियां बनीं आकर्षण का केंद्र, प्रसन्न समूह की दीदियों ने हुनर से रची आत्मनिर्भरता की नई कहानी

रायपुर। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि अपने हुनर और स्थानीय संसाधनों को नई पहचान देने का अवसर भी है। कोरबा जिले की महिला स्व सहायता समूह की दीदियां अपने परिश्रम, रचनात्मकता और नवाचार से इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। बेला कछार, दोनद्रो पंचायत का प्रसन्न स्व सहायता समूह भी ऐसी ही प्रेरक पहल का उदाहरण है, जहां महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार की हैं।

प्रसन्न स्व सहायता समूह वर्ष 2018 से बिहान से जुड़कर महिला सशक्तिकरण और आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। समूह में कुल 22 सदस्य हैं। समूह की दीदियां मौसम और मांग के अनुरूप विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार करती हैं। इनमें बाती, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक सामग्री और कपड़ों से जुड़े कार्य प्रमुख हैं। समय के साथ समूह की महिलाओं ने अपने कार्यक्षेत्र में नए उत्पाद जोड़ते हुए अपनी आय के अवसरों को भी विस्तार दिया है।

रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए समूह की दीदियों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए पारंपरिक राखियों को स्थानीयता से जोड़ा है। धान, बर्रे भाजी, साबूदाना और चावल जैसे स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों से तैयार की गई राखियां लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन राखियों की खासियत सिर्फ उनकी खूबसूरती नहीं, बल्कि इनके पीछे छिपा महिलाओं का हुनर और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग का विचार भी है। समूह की दीदियों द्वारा तैयार ये राखियां स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ महिला उद्यमिता की भावना को भी मजबूत कर रही हैं।

माओवाद मुक्त होने के बाद जिले के अंतिम छोर तक पहुंच रही विकास की रोशनी

रायपुर। माओवाद मुक्त होने के बाद अब कोंडागांव जिले के अंतिम छोर तक विकास की रोशनी पहुंच रही है। जिले के सुदूर अंचल में स्थित ग्राम कड़ेनार में कभी माओवाद के प्रभाव के कारण पहुंचना कठिन था, लेकिन अब सुरक्षा और प्रशासनिक पहुंच बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और आवश्यक शासकीय सेवाओं का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत लोगों तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में ग्राम कड़ेनार में दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कड़ेनार सहित आश्रित ग्राम मदोड़ा, बेचा एवं कीलम के ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उनके गांव के समीप ही उपलब्ध कराया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को शासकीय सेवाओं के लिए जिला एवं विकासखंड मुख्यालय तक आने-जाने की कठिनाई से राहत दिलाना तथा एक ही स्थान पर अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा। शिविर में आधार सेवा के अंतर्गत 18 लोगों के नवीन आधार कार्ड बनाए गए तथा 24 लोगों का बायोमेट्रिक अपडेट किया गया। पंचायत विभाग द्वारा 72 नए जॉब कार्ड बनाए गए और 41 जॉब कार्ड का ई-केवाईसी किया गया।

बी.एस.सी. काउंसलिंग के तहत अभ्यर्थियों को महाविद्यालय और सीट आबंटित

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के बी.एस.सी. कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु संचालित ऑनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों को पीएटी परीक्षा की प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन कर दिया गया है। आज से 22 अगस्त तक कृषि महाविद्यालय रायपुर में प्रात: 8 बजे से शाम 5:30 तक दस्तावेजों का परीक्षण किया जायेगा।

ekelite küche
MODULAR KICHAN,
WARDROBE & MUCH MORE
Opp. Colors Mall, Pachpedi Naka,
Lalpur Raipur Chhattisagarh
CONTACT- 9200001777
9538545000

भवन किराए
पर उपलब्ध है
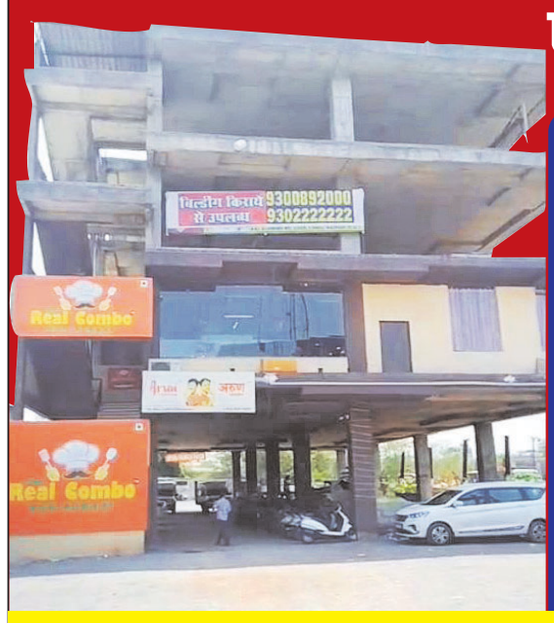
लभांडी, मैग्नेटो मॉल के सामने स्थित बिल्डिंग राज टॉवर में 6800 वर्गफुट का हॉल - बैंक, कार्यालय एवं होटल उपयोग हेतु किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9300892000

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684